Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 217
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00

मंत्र भारत

शनिवार,07 मार्च 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 स्टील, आयरन ओर और फर्टिलाइजर ट्रैफिक में | 4 हाउसमेकर से लेकर कामकाजी महिलाओं तक, हर | 7 'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो'; पश्चिम एशिया

ओडिशा में गरजे अमित शाह

31 मार्च तक देश से नक्सलवाद का होगा खात्मा: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दोहराया कि सुरक्षा बल 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के अपने संकल्प को पूरा करेंगे। कटक में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए अमित शाह ने नक्सलवाद के उन्मूलन में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सीआईएसएफ ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे ओडिशा हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना, सीआईएसएफ ने नक्सलवाद के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने साफ तौर पर कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च, 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बल तिरुपति से पशुपति तक रेड कॉरिडोर बनाने और अपना वर्चस्व स्थापित करने का सपना देखने वालों को पूरी तरह से पराजित करेंगे। अमित शाह ने देश के लिए सीआईएसएफ कर्मियों के वीरता और आत्मबलिदान की सराहना करते हुए उनकी सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 56 वर्षों में, सीआईएसएफ ने न केवल अपने मूल उद्देश्य को पूरा किया है, बल्कि हर तरह की चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को रूपांतरित भी किया है। वीरता और बलिदान भारत के गौरवशाली इतिहास की पहचान हैं। इन गुणों को समर्पण के साथ जोड़ते हुए और आधुनिक हथियारों से लैस होकर, सीआईएसएफ ने हर तरह की चुनौतियों का सामना करने का साहस दिखाया है। मैं बल के सभी कर्मियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। शाह ओडिशा के कटक जिले के मुंडाली स्थित खारवेला क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री का भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने स्वागत किया, जब वे विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए राज्य पहुंचे थे। अमित शाह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के परिसर में स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) का भूमि पूजन भी करेंगे। शाह भुवनेश्वर में 'नई न्याय संहिता' पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे और एक मोबाइल फोरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाएंगे।

चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया शुभारंभ

पर्यटन को मिलेगी नई ऊंचाई

नई टिहरी (एजेंसी)। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महोत्सव का शुभारंभ किया। चार दिवसीय टिहरी झील महोत्सव का कोटी कालोनी में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन किया। टिहरी झील में 6 से 9 मार्च तक आयोजित लेक फेस्टिवल पर्यटन को नई ऊंचाई देगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए उत्तराखंड पयर्टन विकास परिषद व जिला प्रशासन ने कमर कसी हुई है। चार दिन तक आयोजित होने वाले फेस्टिवल में विभिन्न तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएगी। फेस्टिवल का उद्देश्य टिहरी जिले को प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाते हुए, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करना है। उन्होंने बताया कि इस दौरान ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, राफ्टिंग जैसी साहसिक गतिविधियों के साथ ही स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, मास्टर शेफ प्रतियोगिता, लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए फैशन शो, फोटोग्राफी जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। एक लाख रुपये तक पुरस्कार जीतने का मौका आयोजन के दौरान अलग- अलग स्थानों पर मास्टर शेफ, फोटोग्राफी, पेटिंग, सोशल मीडिया रील, ग्रुप फैशन शो, मिस्टर एंड मिस टिहरी, राफ्टिंग, रैप सिंगिग प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। जिसमें प्रथम विजेता एक लाख रुपए तक का पुरस्कार जीत सकता है, इसी तरह दूसरे स्थान का विजेता 50 हजार, तीसरे स्थान का विजेता 25 हजार रुपए का पुरस्कार जीत सकता है।

एमडीएमए तस्करों की महिलाओं ने आत्मदाह की पुलिस को दी धमकी

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार थाना क्षेत्र में नशीला पदार्थ एमडीएमए फैक्ट्री तोड़ने पहुंची पुलिस एवं प्रशासन के सामने फरार एवं गिरफ्तार तस्करों की महिलाओं ने खुद पर डीजल, पेट्रोल उड़ेलने के साथ घर में आग लगा दी और कारवाई नहीं होने दी। वृत्ताधिकारी शिवन्या सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गत जनवरी में पुलिस ने जीवानायकों का खेड़ा में जगदीश बंजारा के मकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में एमडीएमए रसायन, ड्रोन एवं अन्य उपकरण के अलावा 14 लाख रुपये नगद पकड़कर मादक पदार्थ फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था तब मौके से जगदीश एवं उसके दोनों पुत्र फरार हो गये थे। इनमें जगदीश को हाल ही में पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थ के तस्करों के विरुद्ध अभियान के तहत पुलिस ने गंगरार तहसील से उक्त फैक्ट्री स्थल के कागजात मांगे तो वहां पर इस सम्पत्ति के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। इस पर न्यायालय तहसीलदार से इस सम्पत्ति को ध्वस्त करने के आदेश लेकर वह खुद, थानाधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के साथ भारी मात्रा में पुलिस दल लेकर पहुंचे, तो मौके पर ग्रामीण एकत्र होकर विरोध करने लगे।

सैयद अता हसनैन बने बिहार के नए राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया स्वागत

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन को राज्य का नया राज्यपाल नियुक्त किए जाने का स्वागत किया और कहा कि रक्षा क्षेत्र में उनके व्यापक अनुभव से राज्य को लाभ मिलेगा। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी इस नियुक्ति का स्वागत किया। हसनैन ने बिहार के राज्यपाल के रूप में आरिफ मोहम्मद खान का स्थान लिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बृहस्पतिवार देर रात कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपाल पदों पर किए गए बड़े फेरबदल के तहत यह नियुक्ति की गई। चौधरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नए राज्यपाल का राष्ट्र की सेवा में अनुभव, अनुशासन और दूरदृष्टि बिहार के विकास और सुशासन को नई दिशा देंगे।

तमिलनाडु के निजी स्कूलों में सियासी और धार्मिक कार्यक्रमों पर लगी रोक

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों के कैंपस में राजनीतिक, वैचारिक या सामुदायिक गतिविधियों पर आधिकारिक रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि स्कूल कैंपस को केवल पढ़ाई के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 2 मार्च को एक सरकारी आदेश जारी किया। इसके तहत तमिलनाडु निजी स्कूल (रेगुलेशन) नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि स्कूल के संसाधनों का इस्तेमाल केवल छात्रों की भलाई और पढ़ाई के लिए हो। नए नियमों के अनुसार, स्कूल की किसी भी जगह का इस्तेमाल कोई बाहरी व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी। इसमें स्कूल की बिल्डिंग, खेल का मैदान और हॉल शामिल हैं। कोई भी संस्था यहां राजनीतिक मीटिंग, प्रचार या किसी खास विचारधारा से जुड़ा कार्यक्रम नहीं कर पाएगी। सरकार ने उन गतिविधियों को खास तौर पर निशाना बनाया है जिनसे धर्म, जाति या भाषा के आधार पर नफरत फैलने का खतरा हो।

वेबिनार में प्रधानमंत्री बोले,कृषि क्षेत्र को नई ऊर्जा से भरना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने किसानों का जोखिम कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए जो पहल किये हैं उनके परिणाम दिख रहे हैं। पीएम मोदी ने बजट के पश्चात राष्ट्रीय वेबीनार की श्रृंखला में शुक्रवार को तीसरी वेबीनार का उद्घाटन करते हुए कहा कि करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की पीएम किसान सम्मान निधि मिली है। दिन भर के इस वेबीनार का विषय कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में हुए सुधारों से अब किसानों को उनकी उपज पर डेढ़ गुना तक प्रतिफल मिल रहा है। किसानों को अब तीन चौथाई कर्ज संस्थागत क्षेत्र से मिल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्संस्थागत क्रेडिट कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों के समाधान किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी

ने कहा, ऐसे अनेक प्रयासों से किसानों का जोखिम बहुत कम हुआ है और उन्हें एक बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। हम फसल विविधता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन, दोनों ही कृषि क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति को और आगे ले जाने के लिए हमें वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत अब टीकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका (फुट एंड माउथ) रोग से बचाने के लिए अब तक 125 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। श्री मोदी ने कहा कि ये टेक्नोलॉजी की सदी है, और सरकार का बहुत जोर कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी संस्कृति लाने पर भी है। प्रधानमंत्री ने वेबिनार में शामिल लोगों से भारतीय कृषि के भविष्य के बारे में सोने और योजनाओं के क्रियान्वयन को कारगर बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, आज दुनिया स्वास्थ्य के संबंध में ज्यादा सतर्क है। समग्र स्वास्थ्य और उसमें ऑर्गेनिक भोजन पर बहुत रुचि है। भारत में हमें रसायनिक मुक्त खेती पर बल देना ही होगा।

जशपुर में ब्रेक फेल होने के बाद पलटी बस, पांच की मौत, 20 से अधिक यात्री घायल

लोगों ने बचाई कई जिंदगियां

जशपुर (एजेंसी)। जशपुर जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। झारखंड के कुरडेग से कुनकुरी आ रही यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इनमें से चार गंभीर घायलों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कलेक्टर रोहित व्यास ने घटना की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार अनमोल बस (उ14 0263) करडेगा (झारखंड) से कुनकुरी की ओर आ रही थी। सुबह करीब 9:45 बजे करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़अंबा गांव में ढलान के दौरान बस का ब्रेक फेल हो गया। बस में सवार एक यात्री ने बस रोकने के लिए कहा, तभी

कंडक्टर ने चिल्लाकर बताया कि बस का ब्रेक फेल हो गया है। कुछ ही क्षण बाद बस अनियंत्रित होकर सुरेंद्र साय के निमार्णाधीन आवास के पास पलट गई। बस में दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर तीन एम्बुलेंस भेजी गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय लोगों ने बचाई कई जिंदगियां घटना के बाद गोड़अंबा गांव के निवासी दिगंबर यादव ने तुरंत मदद के लिए पहल की। उनके साथ सरपंच पति शिवशंकर साय, उपसरपंच दशरथ प्रसाद यादव और प्रभाशंकर यादव ने मिलकर प्रशासन को सूचना दी। जेसीबी की मदद से बस को हटाकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। इन लोगों की हुई मौत ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कुनकुरी डॉ. श्रीमती के. कुजूर ने हादसे में 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-पुत्र शामिल हैं।

महेश राम (45) पिता रथु राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला

बिमला (42) पति महेश राम, ग्राम मकरीबंधा, तहसील दुलदुला (पति-पत्नी)

संपति देवी (52) पति केशवर राम, जिला सिमडेगा, झारखंड

दिगेश्वर (40) पिता दिलभजन, ग्राम ढोढी, तहसील कुरडेग, जिला सिमडेगा, झारखंड

घनश्याम (5 माह) पिता दिगेश्वर, ग्राम ढोढी, जिला सिमडेगा (पिता-पुत्र)

घायलों का चल रहा इलाज

घायलों का इलाज कुनकुरी, जिला अस्पताल और अन्य अस्पतालों में किया जा रहा है।

'अंधकार की ओर बढ़ रहे राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान

कोल्लम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा दौर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, एक-दूसरे को समझने का कोई प्रयास नहीं किया जाता और असहमति के मामलों में हिंसा का सहारा लिया जाता है। असहमति को दबाने का आरोप लगाया उन्होंने कहा, आज हम राजनीति में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देख रहे हैं कि हर कोई अंधकार की ओर बढ़ रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने के प्रयास नहीं किया जाता है। बस, बम गिराकर उन्हें मार डाला जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे यहां की राजनीति में भी यही हाल है। अगर आप किसी से सहमत नहीं होते, तो आप उस पर हमला करते हैं या उसके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और समाज सुधार संत श्री नारायण गुरु की मुलाकात की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित

कर रहे थे। महात्मा गांधी और नारायण गुरु का दिया उदाहरण उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ही इस तरह की हिंसा के विरोधी थे और जनता के बीच प्रेम, सम्मान, क्षमता और समझदारी की पैरवी करते थे। अपने संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि संविधान में भी वे मूल्य समाहित हैं, जिनकी पैरवी नारायण गुरु और महात्मा गांधी ने की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी ने उस समय दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य से लड़ाई लड़ी थी और उनके साथ जो कुछ भी किया गया, उन पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। (महात्मा) गांधी उस मजबूत व्यवस्था के खिलाफ अपने संघर्ष के दौरान नारायण गुरु जैसे लोगों से प्रेरित हुए और उनसे बातचीत की।

मिडल ईस्ट संकट पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का बयान, कहा, जो हो रहा वो सामान्य नहीं, पूरी दुनिया पर पड़ेगा असर

कोलकाता (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि बदलती भू-राजनीति के इस दौर में महासागर एक बार फिर दुनिया के शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं और भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास एवं क्षमता के साथ नेतृत्व प्रदान करे। सिंह ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम बेहद असामान्य हैं और क्षेत्र की स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, पश्चिम

एशिया में जो हो रहा है, वह बेहद असामान्य है। इस समय इस पर कोई ठोस टिप्पणी करना कठिन है कि पश्चिम एशिया में परिस्थितियां आगे किस दिशा में जाएंगी। उन्होंने कहा, यदि हम होर्मुज जलडमरूमध्य या फारस की खाड़ी के पूरे क्षेत्र को देखें तो यह दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जब इस क्षेत्र में अशांति या व्यवधान होता है तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। उन्होंने कहा, आज हम केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। इन अनिश्चितताओं का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर पड़ता है।

सुखोई विमान हादसे पर रक्षामंत्री ने जताया शोक, राहुल गाँधी ने शहीद पायलटों के परिवारों के प्रति संवेदना की जाहिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त सुखोई विमान हादसे में वायु सेना के दो पायलटों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद किया जाएगा।दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

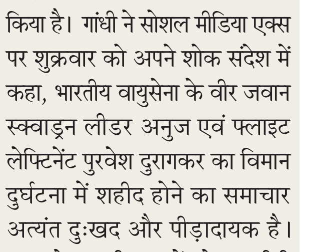

गौरतलब है कि वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई-30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में दोनों वीर पायलटों की मौत हो गयी। वायु सेना ने शुक्रवार को इन दोनों पायलटों के निधन की पुष्टि की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वायु सेवा के सुखोई विमान दुर्घटना में दो पायलटों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को अपने शोक संदेश में कहा, भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज एवं फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर का विमान दुर्घटना में शहीद होने का समाचार अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। भारत के इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

'कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकत', वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज की दुनिया में कोई भी देश पूरी तरह से वैश्विक प्रभुत्व (हेजेमनी) नहीं रखता है और आने वाला समय बहुध्रुवीय विश्व का होगा। रायसीना डायलॉग 2026 में विदेश मंत्री ने यह बात कही। वैश्विक शासन का बदलता स्वरूप रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, 'जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के

लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी। दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था। उन्होंने कहा कि पिछले 70 साल को अगर इतिहास के नजरिए से देखें तो यह भारत के हजारों साल के इतिहास का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, इसलिए दुनिया का बदलना स्वाभाविक है। वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें काम कर रही हैं तकनीक (टेक्नोलॉजी) और जनसंख्या का स्वरूप (डेमोग्राफी)। आने वाले दशक में यही दोनों कारक दुनिया की दिशा तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक राजनीति का विश्लेषण अक्सर अमेरिका के इर्द-गिर्द किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे-धीरे कई ताकतों में बंट रही है। अब कोई भी देश ऐसा नहीं है, जो हर क्षेत्र- जैसे अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति, तकनीक या कूटनीति में पूरी तरह से हावी हो। विदेश मंत्री के मुताबिक आज ताकत का मतलब सिर्फ जीडीपी या सैन्य शक्ति नहीं रह गया है।

स्टील, आयरन ओर और फर्टिलाइजर ट्रैफिक में अच्छी ग्रोथ से रेलवे को फरवरी में 14,571 करोड़ का फ्रेट रेवेन्यू कमाने में मदद मिली

गोरखपुरः इंडियन रेलवे कोयला, स्टील, फर्टिलाइजर, सीमेंट, अनाज और कंटेनर जैसी जरूरी चीजों का अच्छे से ट्रांसपोर्टेशन पक्का करके देश की आर्थिक गतिविधियों को सपोर्ट करने में अहम भूमिका निभा रहा है। फरवरी 2026 में माल ढुलाई के काम में पिछले साल इसी समय की तुलना में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो सभी सेक्टर में रेल-बेस्ड लॉजिस्टिक्स की लगातार मांग को दिखाता है। फरवरी 2026 के दौरान, इंडियन रेलवे ने 137.72 मिलियन टन माल ढोया, जो फरवरी 2025 में 132.48 मिलियन टन की तुलना में 3.96% ज्यादा है। इस महीने माल ढुलाई से होने वाला रेवेन्यू ?14,571.99 करोड़ रहा, जो पिछले साल इसी महीने के ?14,151.96 करोड़ से 2.97% ज्यादा है। रेलवे ने ट्रांसपोर्ट आउटपुट के मामले में भी अच्छा परफॉर्म किया। नेट टन किलोमीटर , जो माल ढुलाई का एक मुख्य इंडिकेटर है, फरवरी 2026 में 76,007 मिलियन नेट टन किलोमीटर तक पहुंच गया, जबकि फरवरी 2025 में यह 72,955 मिलियन नेट टन किलोमीटर था, जिससे 4.18% की बढ़ोतरी हुई। कोर कमोडिटीज से ग्रोथ माल ढुलाई का एक बड़ा हिस्सा कोर सेक्टर कमोडिटीज से ही चलता है। महीने के दौरान, इंडियन रेलवे ने बड़ी मात्रा में कोयला, आयरन ओर, तैयार स्टील, फर्टिलाइजर, सीमेंट और कंटेनर ट्रैफिक ट्रांसपोर्ट किया। तैयार स्टील, आयरन ओर और फर्टिलाइजर जैसी कमोडिटीज में बढ़ोतरी ने ओवरऑल माल ढुलाई परफॉर्मेंस में अहम योगदान दिया। मुख्य कमोडिटीज का परफॉर्मेंस भी अच्छा रहा। डेली फ्रेट लोडिंग पोजीशन में, आयरन ओर, पिग आयरन और तैयार स्टील, स्टील प्लांट्स के लिए रॉ मटीरियल (आयरन ओर को छोड़कर), फर्टिलाइजर, मिनरल ऑयल और कंटेनर एक्ट्ट ट्रैफिक जैसी कमोडिटीज में साल-दर-साल अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई। आयरन ओर की लोडिंग पिछले साल के 0.529 मिलियन टन (27.6% ज्यादा) की तुलना में 0.675 मिलियन टन रही, जबकि पिग आयरन और फिनिश्ड स्टील पिछले साल के 0.284 मिलियन टन (20.8% ज्यादा) की तुलना में 0.343 मिलियन टन रजिस्टर हुआ। स्टील प्लांट्स के लिए रॉ मटेरियल (आयरन ओर को छोड़कर) 0.096 मिलियन टन से बढ़कर 0.141 मिलियन टन हो गया (46.9% ज्यादा)। इसी तरह, फर्टिलाइजर लोडिंग 0.167 मिलियन टन से बढ़कर 0.184 मिलियन टन (10.2% ज्यादा), मिनरल ऑयल 0.146 मिलियन टन से बढ़कर 0.172 मिलियन टन (17.8% ज्यादा), और कंटेनर एक्ट्ट ट्रैफिक 0.213 मिलियन टन से बढ़कर 0.251 मिलियन टन (17.8% ज्यादा) हो गया। फरवरी के मंथली कुल परफॉर्मेंस में, कई कमोडिटीज ने पिछले साल इसी समय की तुलना में अच्छी ग्रोथ दर्ज की। फर्टिलाइजर लोडिंग 4.224 मिलियन टन से बढ़कर 5.396 मिलियन टन हो गई (27.7% ज्यादा), जबकि क्लिंकर 5.421 मिलियन टन से बढ़कर 6.508 मिलियन टन हो गई (20.1% ज्यादा)। पिग आयरन और फिनिश्ड स्टील लोडिंग 5.522 मिलियन टन से बढ़कर 6.237 मिलियन टन हो गई (12.9% ज्यादा), और आयरन ओर 14.925 मिलियन टन से बढ़कर 16.370 मिलियन टन हो गई (9.7% ज्यादा)। कंटेनर एक्ट्ट ट्रैफिक (5.432 मिलियन टन बनाम 5.142 मिलियन टन, 5.6% ज्यादा) और कंटेनर डोमेस्टिक ट्रैफिक (2.015 मिलियन टन बनाम 1.970 मिलियन टन, 2.3% ज्यादा) में भी बढ़ोतरी देखी गई, जो मुख्य इंडस्ट्रियल और लॉजिस्टिक्स सेगमेंट में लगातार डिमांड दिखाता है। रेल माल ढुलाई बल्क सामान के ट्रांसपोर्टेशन के सबसे सस्ते और पर्यावरण के लिए अच्छे तरीकों में से एक है, जो इंडस्ट्रीज को कच्चे माल और तैयार प्रोडक्ट्स को लंबी दूरी तक भरोसेमंद और सस्ते तरीके से ले जाने में मदद करता है। वित्तीय वर्ष 2025झ26 में कुल फ्रेट परफॉर्मेंस शानदार रहा इंडियन रेलवे ने भी मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में कुल फ्रेट परफॉर्मेंस में पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है। 1 अप्रैल 2025 से 28 फरवरी 2026 के दौरान, इंडियन रेलवे ने 1,503.80 मिलियन टन फ्रेट ढोया, जबकि पिछले साल इसी समय में 1,456.07 मिलियन टन फ्रेट ढोया गया था, यानी 3.28% की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान फ्रेट रेवेन्यू 1,60,987 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी समय में यह 1,58,539.86 करोड़ था, यानी 1.54% की बढ़ोतरी हुई। नेट टन किलोमीटर में मापा गया कुल फ्रेट मूवमेंट 840,000 मिलियन रहा, जबकि पिछले साल यह 826,586 मिलियन नेट टन किलोमीटर था, यानी 1.62% की बढ़ोतरी हुई। इकोनॉमिक ग्रोथ और नेशनल लॉजिस्टिक्स को सपोर्ट करना इंडियन रेलवे कैपेसिटी बढ़ाने, बेहतर टर्मिनल इंफ्रास्ट्रक्चर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और डिजिटल फ्रेट मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए फ्रेट लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना जारी रखे हुए है।

2026 के लिये 06 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 06 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 290 बर्थ तथा 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 07 एवं शयनयान श्रेणी में 386 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 99, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 285 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 59 बर्थ तथा 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 103, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 342, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 129 एवं शयनयान श्रेणी में 120 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 11 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 176 बर्थ तथा 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 437 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोमती नगर से चलने वाली 05023 गोमती नगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 10 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी 53 एवं शयनयान श्रेणी में 316 बर्थ उपलब्ध हैं।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता विशेष गाड़ी में 12 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 54 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 197 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 04730 गोरखपुर-श्री गंगानगर विशेष गाड़ी में 13 मार्च,2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 26, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 45 एवं शयनयान श्रेणी में 242 बर्थ उपलब्ध हैं।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी विशेष गाड़ी में 13 मार्च, 2026 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 57 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 08 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 09 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 18 बर्थ तथा 15 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 59 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 253 बर्थ उपलब्ध हैं।.

वित्त वर्ष 2025-26 में पूर्वोत्तर रेलवे को माल लदान से कुल रू. 411 करोड़ से अधिक की आय

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा व्यापारियों तथा औद्यौगिक प्रतिष्ठानों को दी जा रही उन्नत सुविधाओं तथा मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों के सुनियोजित प्रयासों से पूर्वोत्तर रेलवे पर माल लदान में वृद्धि का क्रम जारी है। वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह फरवरी, 2026 तक कुल 3.776 मिलियन टन माल लदान हुआ, जिससे रू. 411.449 करोड़ की आय हुई है तथा माह फरवरी, 2026 में कुल 0.255 मिलियन टन माल का लदान हुआ, जिससे रू. 24.349 करोड़ की आय हुई। रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समेकित प्रयासों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे पर वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में माह फरवरी, 2026 तक कुल 3.776 मिलियन टन माल लदान हुआ, जो गत वित्त वर्ष की इसी अवधि में कुल माल लदान 3.636 मिलियन टन की तुलना में 3.85 प्रतिशत अधिक है।

1.19 लाख की नकली मुद्रा...आठ अरेस्ट, लैपटॉप-प्रिंटर, उपकरण व कार बरामद

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ पहले भी चोरी सहित अन्य मामले में प्राथमिकी दर्ज है। गिरोह का सरगना फरार बताया जा रहा है।आजमगढ़ के रौनापार थाने की पुलिस ने जाली करेंसी बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से 1.19 लाख रुपये की जाली मुद्रा, जाली नोट छापने के उपकरण, लैपटॉप, प्रिंटर, एक कार और सात मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि क्षेत्राधिकारी सगड़ी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मंतोष सिंह की टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि टेकनपुर पुलिया के पास एक सफेद कार में कुछ लोग जाली नोटों का लेन-देन कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की तीन टीमों ने घेराबंदी कर नितिन सिंह उर्फ भोला, ऋषिकेश सिंह उर्फ शनि, अभिषेक सिंह उर्फ कान्हा, आदित्य सिंह उर्फ चंकी, शिवम सिंह उर्फ विदुर, मुन्ना पांडेय समेत छह लोगों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और उनकी निशानदेही पर पुलिस ने बाद में ग्राम जगदीशपुर से मनोज कुमार और रुद्र पांडेय को भी जाली नोट बनाने में प्रयुक्त उपकरणों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। लैपटॉप-प्रिंटर से छापते थे जाली नोट आजमगढ़। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह का सरगना मनीष मिश्रा है।

नाले में गिरने से अधेड़ की मौत, रातभर तलाशता रहा परिवार, सुबह पेट्रोल पंप के पास मिला शव

कानपुर। पनकी के शताब्दी नगर में नाले में गिरने से एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक शराब के नशे में थे और पुलिया से गिर गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के शताब्दी नगर रोड पेट्रोल पंप के पास में गुरुवार घर से निकला अधेड़ नाले में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पनकी के रतनपुर कॉलोनी निवासी विजय सिंह (55) एक कंपनी में मैनेजर थे। परिवार में पत्नी सविता और बेटा विकास हैं। परिजनों के अनुसार गुरुवार की साम को घर से बाजार जाने की बात कह कर निकले थे। देर रात पर भी जब विजय वापस घर नहीं लौटे, तो बेटे विकास ने तलाश शुरू की। शुक्रवार सुबह शताब्दी नगर स्थित पेट्रोल पंप के पास नाले के पास भीड़ लगी देखी, तभी उन्हें पिता नाले में पड़े मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकाला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी अग्रिम कार्रवाई थाना प्रभारी मनोज कुमार भदोरिया ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि मृतक शराब का लती था। कल शाम को नशे की हालत पर नाले की पुलिया के पास लोगों ने बैठा देखा था। हो सकता है कि नाले में गिर गया हो। अग्रिम कार्रवाई पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

जूही में फर्नीचर गोदाम तो बर्रा में कबाड़ के ढेर में लगी आग, दमकल ने कड़ी मशक्कत से पाया काबू

कानपुर। जूही और बर्रा में शुक्रवार को आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हुईं। जूही में आठ लाख का फर्नीचर जला, जबकि बर्रा में सीएफओ के नेतृत्व में सात गाड़ियों ने कबाड़ में लगी आग पर काबू पाया। कानपुर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शुक्रवार को आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। जूही में जहां शॉर्ट सर्किट ने फर्नीचर गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। वहीं, बर्रा थाना क्षेत्र में मुस्कान ढाबा के पास कबाड़ के ढेर में भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि दोनों ही घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई और दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया। जूही में फर्नीचर गोदाम खाक जूही थाना क्षेत्र के धर्मकांटा चौराहे के पास स्थित पप्पू शर्मा के फर्नीचर गोदाम में शुक्रवार को

अचानक आग लग गई। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही जूही पुलिस और दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दुकानदार पप्पू शर्मा के अनुसार, आग की जानकारी समय रहते मिल गई थी, जिसके चलते स्थानीय लोगों की मदद से काफी सामान सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, इस अग्निकांड में करीब आठ लाख रुपये का फर्नीचर जलकर राख हो गया है। बर्रा में कबाड़ के ढेर में लगी आग वहीं, बर्रा थाना क्षेत्र में मुस्कान ढाबा के पास स्थित कबाड़ में भीषण आग लगने की सूचना मिली। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सीओएफओ कानपुर खुद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सात अग्निशमन यूनिट्स ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। दमकल कर्मियों ने अथक परिश्रम के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

लखनऊ एवं इज्जतनगर मंडलों में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे

गोरखपुर,: अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे पर महिला सशक्तिकरण को समर्पित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में, सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में 08 मार्च, 2026 को प्रातः 07.30 बजे से एक ह्यशक्ति वॉकह्य का आयोजन किया जायेगा, जिसमें महिला खिलाड़ी एवं महिला रेल कर्मी प्रतिभाग करेंगी। 11 मार्च, 2026 को महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर की उपस्थिति में रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में 15.30 बजे से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 08 मार्च, 2026 को गोरखपुर जं. स्टेशन के रूट रिले इंटरलॉकिंग (आर.आर.आई.) पैनल, स्टेशन संचालन, टिकट बुकिंग, स्टेशन की साफ-सफाई तथा सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा निभाई जायेगी। इसके अतिरिक्त वाराणसी, लखनऊ एवं इज्जतनगर मंडलों में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। विदित है कि यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में नॉन ए.सी. ट्रिमिंग शॉप पूरी तरह से महिला रेल कर्मियों द्वारा संचालित किया जाता है। लखनऊ मंडल का लखनऊ सिटी स्टेशन पूर्ण रूपेण महिला कर्मियों द्वारा संचालित किया जा रहा है। भारतीय रेल पर आज महिलायें प्रशासनिक पदों के साथ ही लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड) सहित ट्रेन संचालन, सिगनलिंग, टिकट जांच एवं अन्य तकनीकी पदों पर सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 07 मार्च, 2026 को मंडल रेल प्रबन्धक/इज्जतनगर सुश्री वीणा सिन्हा की उपस्थिति में अधिकारी क्लब, इज्जतनगर में 09.30 बजे से 13.00 बजे तक स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्वास्थ्य सम्बन्धी विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा। वाराणसी मंडल पर सवारी ट्रेनों का संचालन महिला लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर (गार्ड) द्वारा किया जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गोरखपुर जं. स्टेशन पर टिकट जांच, यात्री आरक्षण, टिकट बुकिंग, साफ-सफाई एवं सुरक्षा का कार्य भी महिला रेल कर्मियों द्वारा किया जायेगा। कोचिंग डिपो में तैनात महिला तकनीशियनों द्वारा ट्रेनों के अनुरक्षण का कार्य किया जायेगा। मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री, गोरखपुर में लिनेन की धुलाई एवं उनके रख-रखाव का पूरा कार्य महिला कर्मियों द्वारा किया जायेगा। यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना डॉ० सुनील कुमार शर्मा की उपस्थिति में समाज में महिलाओं की भूमिका एवं उनके सशक्तिकरण के महत्व के परिप्रेक्ष्य में महिला सशक्तिकरणह्य पुस्तक का विमोचन किया जायेगा। साथ ही ह्यमहिला सशक्तिकरणह्य विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मियों का उत्साहवर्धन किया जायेगा। महिला रेल कर्मियों एवं महिला यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर वात्सल्य (शिशु स्तनपान कक्ष) का प्रावधान किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिये ह्यमेरी सहेलीह्य अभियान संचालित किया जा रहा है। ह्यमेरी सहेलीह्य अभियान में महिला आर.पी.एफ. कर्मचारियों की एक टीम सम्मिलित है, जो अकेली यात्रा कर रही महिला यात्रियों से मिलकर उन्हें आश्वासन देती है कि रेलवे उनकी देखभाल करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस रेलवे के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर मेरी सहेली टीम का गठन किया गया है, जो महिला यात्रियों की शिकायतों पर उन्हें त्वरित सहायता सुनिश्चित करती हैं। मेरी सहेली टीम यात्रा के दौरान किसी तरह की शिकायत के लिये रेलवे हेल्पलाइन 139 के बारे में उन्हें जागरूक करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली से घर आ रहा युवक लापता

कप्तानगंज। दिल्ली से घर आ रहा युवक रास्ते से लापता हो गया है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। मामले की सूचना कप्तानगंज पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।कप्तानगंज थाना क्षेत्र के थूहा गांव के रहने वाले लवकुश एक पैर से दिव्यांग है। बिहरा चौराहे पर सैलून की दुकान चलाकर वह अपने परिवार का गुजारा करता है। 28 फरवरी की शाम को वह ट्रेन से दिल्ली गए थे। तीन मार्च को वह दिल्ली से घर आने के लिए ट्रेन पर बैठे थे। पत्नी गुड़िया को वह फोन करके घर लौटने की बात भी बताई। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। अगले दिन चार मार्च को लवकुश जब घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

पुलिस ने 28 वाहनों का काटा चालान

मुंडेरवा। पर्व के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंडेरवा पुलिस ने विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। अहरा मोड़, देवरिया माफी, कुरियार, खजौला आदि स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन चेकिंग की गई। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 28 वाहनों का चालान किया गया। 25,500 रुपये का ई-चालान किया गया।

लोन के लिए पांच हजार आवेदन आए, सिर्फ 1588 को मंजूरी

बस्ती। बेरोजगार युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा योजना) में बैंक कर्मी ही अड़ंगा बन गए हैं। इससे यह योजना का लाभ आसानी से युवाओं को नहीं मिल पा रहा है। बताते हैं कि इस योजना ने युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में मजबूत कदम उठाने का अवसर प्रदान किया है। इस योजना से जुड़कर बड़ी संख्या में युवा अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। बताते हैं कि जनपद में वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य के अनुसार पांच हजार युवाओं ने उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण के लिए बैंक में आवेदन किया। इस योजना के अंतर्गत अब तक जिले में 1588 का आवेदन ऋण के लिए स्वीकृत हुआ है, जबकि अन्य का आवेदन जांच में लटका हुआ है। बैंक अधिकारियों के अनुसार, बैंक स्तर पर कुछ प्रकरणों में दस्तावेजी औपचारिकताओं के कारण प्रक्रिया में समय लग रहा है। इस मामले को लेकर सीडीओ सार्थक अग्रवाल नाराजगी जता चुके हैं। लीड बैंक मैनेजर आरएन मौर्य का कहना है कि जिन बैंकों में ऋण के लिए आवेदन हैं उसकी जांच कराई जा रही है।

हाईवे पर हादसा हुआ तो 15 मिनट में पहुंचेगी एंबुलेंस

बस्ती। एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब हाईवे पर किसी भी दुर्घटना की सूचना मिलने के 15 मिनट के भीतर एंबुलेंस मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू करेगी। बताया कि एनएचएआई के निर्देश पर दो अत्याधुनिक एंबुलेंस पेट्रोलिंग कर रही हैं। ये एंबुलेंस अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों से लैस हैं, जिससे घायलों को तत्काल प्राथमिक इलाज उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही हाईवे की सुरक्षा और त्वरित राहत कार्य के लिए 50 कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ये कर्मचारी 24 घंटे अलग-अलग प्वाइंट पर निगरानी रख रहे हैं। दुर्घटना या किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1033 पर सूचना दी जा सकती है। सूचना मिलते ही एनएचएआई की टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर मदद करेगी। इस पहल का उद्देश्य ह्यगोल्डन ऑवरह्न के भीतर घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी जान बचाना है।

गोहत्या मामले में वांछित दो आरोपी दबोचे

वॉल्टरगंज। पुलिस ने गोहत्या में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के परसालालशाही गांव के पोखरे में एक मार्च को मिले गोवंश के अवशेष के मामले में थाना क्षेत्र के पडिया खास गांव के पास से दो आरोपियों की और गिरफ्तारी की गई है। आरोपियों में गुलाम रसूल तथा मुहम्मद नफीस निवासी गण मझौआमीर थाना वॉल्टरगंज शामिल हैं। दोनों को विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया वहां से वे जेल भेज दिए गए।

माझा में कच्ची शराब की भट्टियों की ड्रोन कैमरे से हुई निगरानी

बस्ती। इस बार होली से तीन पहले ही पुलिस और आबकारी की टीम सरयू के दियारा क्षेत्र में कच्ची शराब के धंधे पर अंकुश लगाने के लिए अलर्ट हो गई थी। एसपी डॉ. यशवीर सिंह के नेतृत्व में दुबौलिया, कलवारी, छावनी, परशुरामपुर थाना, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के माझा और अन्य जंगल और नदी के तटीय क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरू करा दी गई। पुलिस और आबकारी टीम के सख्ती के चलते कच्ची शराब के धंधेबाज इस बार भूमिगत हो गए। कच्ची शराब निर्माण के मामले में सबसे संवेदनशील क्षेत्र दुबौलिया और छावनी थाना क्षेत्र के सरयू के किनारे माझा क्षेत्र में भट्ठियां नहीं धधकने पाईं। पिछले साल पुलिस ने बालू के नीचे खोदे गए गड्ढे में भारी मात्रा लहन, कच्ची शराब बनाने के पात्र और अन्य उपकरण एवं रसायन बरामद किए थे। इस बार पुलिस आबकारी विभाग से समन्वय स्थापित कर पहले से ही सजग हो गई। होली के तीन दिन पहले से ही थानेवार पुलिस की टीम कैमरों से संवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लेने में जुट गई। इसके बाद धंधेबाज सकते में आ गए। पुलिस के डर अधिकांश चर्चित अड्डों पर सन्नाटा छाया रहा।

होली खुमार में घायल होकर 17 लोग पहुंचे अस्पताल

बस्ती। होली पर्व पर कोई सड़क दुर्घटना में घायल हुआ तो कोई स्वयं चोटिल हुआ। वहीं एक प्वाइजनिंग पीड़ित जिला अस्पताल पहुंचा। सभी का उपचार चल रहा है। होली पर्व पर नशे के शौकीन सड़क दुर्घटना में घायल हुए तो घर के बजाय सीधे अस्पताल आए। किसी के पैर में चोट आई तो किसी के हाथ व सिर में। कुछ लोगों के चेहरे पर चोट आई। ऐसे लोग अस्पताल पहुंचे। जहां उनका उपचार किया गया। हल्की चोट वालों का ड्रेसिंग कर घर भेज दिया गया। ज्यादा चोट वालों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में होली के दिन कुल 17 घायल पहुंचे। इसमें तीन सड़क दुर्घटना में घायल थे, 14 स्वयं से चोटिल हुए थे। वहीं एक प्वाइजनिंग का केस शामिल है।

हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर

महादेवा। लालगंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। बलरामपुर जनपद निवासी अमित शुक्ला (30) पुत्र राम प्रसाद शुक्ला लालगंज क्षेत्र में स्थित गन्ना क्रय केंद्र पर कांटा बाबू के पद पर तैनात हैं। रात लगभग 8 बजे वह अपने एक साथी के साथ बाइक से लालगंज से महादेवा की ओर जा रहे थे। वह गौराधुंधा गांव के पास पहुंचे थे कि सड़क किनारे महादेवा की तरफ मुंह करके खड़ी गन्ना लदी घिर्री में पीछे की तरफ से उनकी बाइक घुस गई। टक्कर इतनी तेज थी कि अमित शुक्ला गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। बाइक पर बैठा दूसरा युवक भी बुरी तरह घायल हो गया।

कूड़ा जलाकर राजधानी के एक्यूआई को और खराब कर रहा खुद नगर निगम

लखनऊ (संवाददाता)। स्वच्छता सर्वेक्षण में राजधानी को नंबर एक बनाने के लिये नगर निगम के साथ सफाईकर्मी जी जान से लगे हुए है। गलियों में सड़कों पर कूड़ा दिखाई न दे इसलिए कूड़े के ढेर को आग लगा कर अपने कर्तव्यों का पूरा पालन कर रहे है। सफाईकर्मियों द्वारा झाड़ू लगाने के बाद कूड़ा उठाने के बजाय उसमे आग लगाना अधिक आसान समझते है। कूड़े के ढेर में आग लगाने की घटनाये सुबह के समय सभी जोन में देखी जा सकती है। बस नगर निगम के जोन अधिकारी, सुपरवायजर को नहीं दिखायी देती है। ताजा मामला जोन-2 के राजाजीपुरम्‍ वार्ड का है जिसमे सी-ब्लक स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय के बाहर सफाईकर्मी ने एकत्र ढेर को उठाने के बजाय उसमें आग लगा दी। धुआँ उठने पर लोगों पानी डालकर आग को बुझाया। राजधानी के तालकटोरा इलाके का ताजा एक्यूआई 180-200 है जो पहले ही इलाके को खतरनाक स्थिति में प्रदूषित कर रहा है उसपर कूड़ा जलाने से और भी प्रदूषण को बढ़ा रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51-ए में नागरिकों के ग्यारह वर्णित मौलिक कर्तव्यों में पर्यावरण संरक्षण का विशेष उल्लेख है जिनके पालन की सरकार नागरिकों से अपेक्षा रखती है।

युवक ने शराब के नशे में पुल से लगाई छलांग, गंभीर घायल

भितरवार। भितरवार थाना क्षेत्र के करैरा-भितरवार मुख्य सड़क मार्ग स्थित पार्वती नदी पुल के ऊपर से शराब के नशे में एक 45 वर्षीय युवक ने शराब के नशे में छलांग लगा दी। गंभीर रूप से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम को नरेंद्र प्रजापति 45 वर्ष पुत्र रामदयाल प्रजापति निवासी वार्ड क्रमांक 4 गोलेश्वर मंदिर के पास शराब के नशे में घूमता हुआ पार्वती नदी पुल के पास पहुंचा था। अज्ञात कारणों के चलते नरेंद्र प्रजापति ने अचानक से पुल से छलांग लगा दी और वह पुल के नीचे पत्थरों पर गिरा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुल से गिरते ही पुल के पास भीड़ इकट्ठी हो गई। सूचना मिलने पर परिजन तुरंत घटना स्थल पहुंचे और घायल को तुरंत भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत होने पर ग्वालियर रेफर किया गया।

तालाबों के कैचमेंट से हटाएं अतिक्रमण जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारी तेज

खेत, तालाब, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग और अमृत सरोवर निर्माण को मिलेगी प्राथमिकता

■ ग्वालियर

जिले में जल संरक्षण को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारी बैठक में जिलाधीश रुचिका चौहान ने निर्देश दिए कि तालाबों के कैचमेंट एरिया (जल आवक क्षेत्र) में यदि किसी प्रकार का अतिक्रमण या अवरोध है तो उसे प्राथमिकता से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा भी इस कार्य को विशेष महत्व देने के निर्देश दिए गए हैं, इसलिए इसमें किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

जिलाधीश ने नगर निगम आयुक्त व सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस योजना में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, जलाशयों के कैचमेंट क्षेत्र की बाधाएं हटाना, जल स्रोतों के समीप रीचार्ज संरचनाओं का निर्माण, नालों की सफाई तथा पुराने कुओं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार जैसे कार्य शामिल किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी व्यापक योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले वर्ष की तर्ज पर इस साल भी बड़े पैमाने पर खेत, तालाब और अमृत सरोवर बनाए जाएंगे। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, हैंडपंपों के पास सोकपिट निर्माण तथा रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

जनभागीदारी से लगेंगी प्याऊ

ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए जिले के सभी शहरों और बड़े कस्बों में जनभागीदारी से प्याऊ स्थापित किए जाएंगे। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी व्यापक स्तर पर व्यवस्था की जाएगी।

नरवाई प्रबंधन में गौशालाएं होंगी भागीदार

जिलाधीश ने नरवाई प्रबंधन को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को नरवाई काटने और उससे भूसा बनाने वाले उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। हार्वेस्टर व ट्रैक्टर के साथ स्ट्रारीपर उपकरण लगाकर नरवाई काटने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि खेतों में नरवाई जलाने की आवश्यकता न पड़े।

मंत्री प्रद्युम्न से आप नेता की बहस

■ ग्वालियर

मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के सरकारी बंगले पर गुरुवार को ओबीसी महासभा के कुछ लोग गांधी नगर के एक फ्लैट के विवाद को लेकर कार्रवाई की मांग करने जा पहुंचे। इनके साथ आप नेता रोहित गुप्ता भी थे। गुप्ता का कहना था कि गांधी नगर में विजय कुमार याज्ञिक ने 21 लाख रुपए में एक फ्लैट खरीदा है लेकिन उसपर गौरव वाजपेयी उर्फ गुड्डू ने कब्जा कर रखा है वह बिजली ठेकेदार का भाई है। यदि वहां कब्जा लेने जाते हैं तो वह मंत्री का नाम लेता है। इस पर मंत्री तोमर का कहना था कि आप मुझसे क्या चाहते हैं। गुप्ता बोले आप उसके खिलाफ पुलिस से कहकर प्राथमिकी दर्ज कराइये। मंत्री ने कहा मैं ऐसा क्यों कराऊं, आप थाने में जाकर शिकायत करें। चूंकि बंगले पर सीएसपी और टीआई भी मौजूद थे इसलिए ओबीसी महासभा के लोग उनसे भी उलझने लगे। मंत्री से रोहित गुप्ता कुछ ज्यादा ही उलझने लगे, तब उन्होंने कह दिया की आपकी क्या औकात है, यहां से चुनाव भी लड़ चुके, चार हजार वोट ला पाए थे। औकात की बात पर वहां हंगामा हो गया, तब पुलिस और मंत्री के सुरक्षा गार्डों ने मोर्चा संभालकर भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

त्रिदेव रंगोत्सव 2026 आज से

■ ग्वालियर

शहर की प्रतिष्ठित संगीत संस्था स्वर संस्कार संगीत गुरुकुल एवं रागायन परिवार के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीय 'त्रिदेव रंगोत्सव 2026' का आयोजन 6 से 8 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें देशभर के प्रख्यात कलाकारों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को भी अपनी कला प्रस्तुत करने का मंच मिलेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न संगीत विधाओं की प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें शास्त्रीय संगीत, भजन, गजल, लोक एवं सुगम संगीत की झलक देखने को मिलेगी। यह जानकारी पत्रकारों से चर्चा करते हुए रागायन के अध्यक्ष एवं महंत स्वामी रामसेवक दास महाराज एवं स्वर संस्कार गुरुकुल के संगीत गुरू संजय देवले ने दी। उन्होंने बताया कि आयोजन की शुरुआत 6 मार्च को राष्ट्रीय संगीत संगोष्ठी से होगी। जिसमें देश के विद्वान संगीतज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन 7 मार्च को प्रातः 10 बजे गंगादास की शाला में रामपुर सहसवान घराने के गायक नागेश आडगावकर अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं अंतिम दिन 8 मार्च को कार्यक्रम का समापन होगा। इस दिन स्वर संस्कार गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा चुनिंदा बंदिशें प्रस्तुत की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस समारोह का उद्देश्य युवा कलाकारों को मंच प्रदान करना तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ाना है।

अविनाश मिश्रा अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता समिति में शामिल, जापान आमंत्रित

ग्वालियर। यूनियन ऑफ जापानीज साइंटिस्ट्स एंड इंजीनियर्स द्वारा क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश मिश्रा को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता ढांचा तैयार करने वाली प्रतिष्ठित तकनीकी समिति में शामिल किया गया है। इस संबंध में 6 मार्च तक टोक्यो, जापान में आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय तकनीकी समिति वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता, कार्य प्रक्रियाओं एवं सेवाओं में निरंतर सुधार के लिए एक सशक्त और प्रभावी अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता ढांचा तैयार करेगी। समिति में जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, ताइवान और बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। तैयार किया जाने वाला यह ढांचा अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी कंट्रोल सर्किल सम्मेलन में लागू किया जाएगा। यह सम्मेलन 14 देशों के समूह द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। वर्ष 2026 में यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ढाका, बांग्लादेश में आयोजित होगा।

दुश्मनों को फंसाने दोस्त को गोली मारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ ग्वालियर

शहर के गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में एक युवक ने दुश्मनों को हत्या के प्रयास के मामले में फंसाने के लिए अपने ही दोस्त को गोली मार दी। गोली लगते ही दोस्त खड़ी मोटरसाइकिल पर गिर पड़ा। घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है। गोली मारने की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार घायल युवक का नाम विकास साहू (24) है, जो शिव कॉलोनी का निवासी है। वहीं गोली मारने वाले उसके दोस्त का नाम मधुसूदन उर्फ पोपट सिंह तोमर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। घायल के पिता राकेश साहू ने बताया कि बुधवार रात जब वह ड्यूटी से घर लौटे, तभी उनका भतीजा अमित दौड़ते हुए आया और बताया कि विकास को गोली लग गई है। उसे मैक्स अस्पताल ले जाया गया है। यह सुनते ही परिजन तुरंत अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने के कारण विकास को जेएएच अस्पताल रेफर कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मधुसूदन उर्फ पोपट खुद फरियादी बनकर थाने पहुंच गया। उसने पुलिस को बताया कि विकास को रवि गुर्जर, कल्ली और उसके साथी शैलू गुर्जर ने गोली मारी है। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से भाग गए हैं। विकास गंभीर रूप से घायल है।

गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई तुरंत मौके पर पहुंची। इसके बाद शिव कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में दिखाई देता है कि एक काली थार गाड़ी खड़ी है। उसमें कुछ युवक बैठे हैं और कुछ बाहर खड़े हैं।

फुटेज में कुछ युवकों के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। कुछ लोग एक युवक को पकड़ते नजर आते हैं। इसी दौरान वह युवक भीड़ से छूटते ही फायरिंग करता है, लेकिन पहली गोली किसी को नहीं लगती। फायरिंग की आवाज सुनते ही वहां मौजूद युवक इधर-उधर भागने लगते हैं। वहीं विकास विवाद के बीच खड़ी मोटरसाइकिल की ओर आ रहा था। वह मोटरसाइकिल पर बैठने की कोशिश करता है, तभी दूसरी गोली विकास को लग जाती है। गोली लगते ही वह सीने पर हाथ रखकर वहीं मोटरसाइकिल पर गिर पड़ता है। जांच में खुलासा हुआ कि मधुसूदन उर्फ पोपट सिंह तोमर द्वारा चलाई गई गोली से विकास घायल हो गया।

संत वासुदेव नाथ की पुण्यतिथि मनाई

■ ग्वालियर

संत श्री वासुदेव नाथ ढोलीबुवा महाराज की पुण्यतिथि महोत्सव गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रातःकाल समाधि पूजन, अभिषेक, पुण्यतिथि पूजा, विशेष श्रृंगार, भोग और आरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर संत महाराज को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रवक्ता निधिकांत सुरंगे ने बताया कि सायंकाल में श्री सच्चिदानंद नाथ ढोलीबुवा द्वारा संत श्री वासुदेव नाथ ढोलीबुवा महाराज के समाधि पर चरित्र और जीवनचरित्र पर आधारित कथा का आयोजन किया। जिसमें बताया गया कि संत श्री वासुदेव नाथ ढोलीबुवा महाराज ने 1954 में गद्दी संभालने के बाद पूर्ण श्रद्धा, निष्ठा और समर्पण भाव से गुरु सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। कथा के अंत में भजन 'कर ले गुरु सेवा, तभी पाओगे मेवा' के माध्यम से श्रद्धालुओं को गुरु सेवा और भक्ति का महत्व समझाया गया।

नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पिता दुबई से लौटे, कारणों की जांच में जुटी पुलिस

■ ग्वालियर

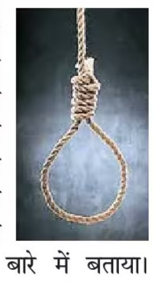

थाटीपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय नाबालिग के पिता दुबई गए हुए थे। जैसे ही उनको बेटी के आत्मघाती कदम का पता चला वह वापस लौटे और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आत्महत्या के कारणों की जांच प्रारंभ कर दी है।

सिद्धेश्वर नगर गली नंबर तीन निवासी दुर्गा प्रसाद तिवारी दुबई में नौकरी करते हैं। यहां पर उनकी पत्नी व बच्चे रहते है। 3 मार्च की शाम को दुर्गाप्रसाद की 15 वर्षीय बेटी एंजेल तिवारी कोचिंग से आने के बाद कमरे में चली गई थी। कक्षा दसवीं मे पढ़ने वाली एंजेल को उसकी मां कमरे में देखने पहुंची तो वह हैरान रह गईं। बेटी का शव फांसी पर लटका हुआ था। बेटी को फंदे पर लटका देख मां ने

शोर मचाया आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और जब तक उसे बचाया जाता देर हो चुकी थी। नाबालिग छात्रा के फांसी लगाने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को कमरे की तलाशी के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। छात्रा ने फांसी क्यों लगाई फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है। इस समय परीक्षा होने के कारण कयास लगाया जा रहा है कि कोई पेपर बिगड़ जाने पर छात्रा ने आत्मघाती कदम उठा लिया होगा। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरु कर दी है।

इनका कहना है

नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों ने कोई कारण नहीं बताया है जांच के बाद ही पता लग सकेगा।

विपेन्द्र सिंह चौहान
थाटीपुर थाना प्रभारी

विवाहिता की मौत, जहर खाने का संदेह

थाटीपुर थाना क्षेत्र के सी ब्लॉक सरकारी मल्टी सुरेश नगर में रहने वाली प्रीती पत्नी संतोष बोहरे (जाटव) 22 वर्ष की मंगलवार के उल्टियां होने लगीं। जब महिला की तबियत बिगड़ने का परिजनों को पता चला तो वह उसे उपचार के लिए लेकर एक निजी चिकित्सालय पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत संभवत कोई जहरीला पदार्थ खाने से होना प्रतीत हो रहा है। महिला की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव विच्छेदन गृह भेज फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है।

अग्रवाल दूसरी बार बने रीजनल महासचिव

ग्वालियर। भारत विकास परिषद की केंद्रीय कोर कमेटी द्वारा भारत विकास परिषद, सेंट्रल रीजन में रीजनल महासचिव के रूप में एक वर्ष के लिए पुन: सुधीर अग्रवाल ग्वालियर का निर्वाचन हुआ। श्री अग्रवाल पिछले दो वर्ष से इसी दायित्व पर हैं। सेंट्रल रीजन के अंतर्गत संपूर्ण मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य आते है। श्री अग्रवाल शाखा ग्वालियर के 1994 से सदस्य हैं। उनके इस दायित्व पर सेंट्रल रीजन के छह प्रांतो के दायित्वधारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। श्री अग्रवाल कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े हैं। वह इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जीवाजी क्लब के सदस्य एवं जीवाजी विश्वविद्यालय में पूर्व सीनेट मेंबर और आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में पूर्व जनभागीदारी सदस्य भी रहे हैं।

घर में घुसकर युवक को पीटा, मौत

■ ग्वालियर

बिजौली थाना क्षेत्र में घर घुसकर सो रहे युवक पर बाप-बेटे समेत तीन हमलावरों ने लाठी-लुहांगी से हमला कर दिया। हमलावरों ने बेरहमी से युवक के हाथ-पैर, सिर और सीने पर वार किए। इसके बाद हमलावर बंदूक से गोलियां चलाते हुए भाग गए। गंभीर रुप से घायल को परिजन जेएएच के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसने बुधवार को दम तोड़ दिया है। झगड़े की वजह मृतक, हमलावर के नाती के जन्मदिन पार्टी में गया था। वहां किसी बात पर मुंहवाद हो गया था। पुलिस ने हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दो आरोपी पकड़े

बिजौली थाना स्थित सरसपुरा गांव में गब्बर सिंह का टोला निवासी 45 वर्षीय रामसेवक उर्फ बल्ली पुत्र गब्बर सिंह गुर्जर पेशे से किसान था। मंगलवार को गांव में ही रहने वाले ऑफिसर गुर्जर उर्फ मुन्ना के घर में नाती का जन्मदिन समारोह था। जिसमें रामसेवक भी न्यौता खाने गया था। रात 8 बजे वह लौटकर आया और घर की बैठक में सो गया। कुछ ही दूरी पर उसका बड़ा भाई रामअख्यतार सिंह व कल्याण सिंह भी सो रहे थे। रात 11:30 बजे ऑफिसर गुर्जर उर्फ मुन्ना, उसका बेटा विनोद गुर्जर निवासी सरसपुरा व एक रिश्तेदार सतीश गुर्जर निवासी बांके का पुरा गोहद भिंड पहुंचे। ऑफिसर के हाथ में बंदूक थी और विनोद, सतीश लाठी व लुहांगी पकड़े गए हुए थे। तीनों ने बिना कोई बात किए रामसेवक पर सोते में ही हमला कर दिया। आरोपियों ने सिर, सीना, पेट व हाथ-पैर पर ताबड़तोड़ वार किए। रामसेवक की चिल्लाने की आवाज सुनकर उसके भाई जागे तब तक तो हमलावर उसकी बुरी हालत कर चुके थे। भाइयों को कमरे में पहुंचने पर ऑफिसर, विनोद व सतीश बंदूक से गोलियां चलाते हुए भाग गए। गंभीर रुप से घायल को चिकित्सालय ले जाया गया जहां पर उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस को जैसे ही हत्या का पता चला आरोपियों की तलाश शुरु कर दी। पुलिस ने दबिश देकर ऑफिसर गुर्जर और विनोद गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया है।

नेशनल लोक अदालत 14 को

सम्पत्तिकर व जलकर के अधिभार में शत-प्रतिशत तक छूट

■ ग्वालियर

नगर निगम क्षेत्र में लंबित सम्पत्तिकर एवं जलकर प्रकरणों के निराकरण और बकाया वसूली के लिए 14 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत नगर निगम के सभी क्षेत्रीय एवं वार्ड कार्यालय क्रमांक 1 से 25 तथा जिला न्यायालय परिसर में आयोजित होगी।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आयोजित इस लोक अदालत में नागरिकों को अधिभार में विशेष छूट का लाभ दिया जाएगा। सम्पत्तिकर के जिन प्रकरणों में कर एवं अधिभार की कुल बकाया राशि 50 हजार रुपए तक है, उन्हें अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। 50 हजार से 1 लाख रुपए तक बकाया होने पर अधिभार में 50 प्रतिशत तथा 1 लाख रुपए से अधिक बकाया पर 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार जल उपभोक्ता प्रभार/जलकर के मामलों में 10 हजार रुपए तक बकाया होने पर अधिभार में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। 10 हजार से 50 हजार रुपए तक बकाया पर 75 प्रतिशत तथा 50 हजार रुपए से अधिक बकाया पर 50 प्रतिशत अधिभार छूट का प्रावधान रहेगा।

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं।

यहां पर बता दें कि नगर निगम का कर वसूली का वित्त वर्ष का आखिरी महीना चल रहा है। इसलिए नगर निगम द्वारा वसूली की प्रक्रिया चल रही है। इसमें ऐसे करदाता जिन पर बकाया राशि 50 हजार से ज्यादा है। इस लोक अदालत में ऐसे करदाता ज्यादा संख्या में पहुंचेंगे ऐसे में नगर निगम का कर वसूली का लक्ष्य भी पूरा हो सकता है।

मूर्ख सम्मेलन में गूंजे ठहाके, जय सिंह कुशवाह को मिला मूर्ख सम्मान

रंग हरा, लाल, गुलाबी यार लगाओ होली में

■ ग्वालियर

ग्वालियर विकास समिति द्वारा मूर्ख सम्मेलन का आयोजन गत दिवस महाराज बाड़ा पर किया गया। जिसमें श्रोताओं ने हास्य कविताओं का भरपूर आनंद लिया। इस वर्ष मूर्ख सम्मान साडा के पूर्व अध्यक्ष जय सिंह कुशवाह को प्रदान किया गया। संचालन प्रेम बरोनिया और आभार डॉ. राकेश रायजादा ने व्यक्त किया।

इन्होंने सुनाईं कविताएं

होली या फिर ईद दिवाली मनाइए सरहद के निगेहबां को, मगर मत भुलाइए जिनकी बदौलतों से है इस मुल्क में खुशियां श्रद्धा से उनके नाम तिलक लगाइए।

सुनीता पटेल
भोपाल

बिस्मिल्लाह की शहनाई भारत की शान, इंडिया टीम में अजहर था कप्तान। भजनों में रफी साहब, राधेश्याम मिसाइल दे गए अब्दुल कलाम, एकता की गंगा बहाओ, साथियो सोए हुए देश को जगाओ साथियो।

हरीश हंगामा
चित्तौड़गढ़ राजस्थान

तिरंगा-तिरंगा वो प्यारा तिरंगा भारत की आन बान और शान तिरंगा, गांधी बेचा राम बेचा, सुभाष देश का चुनावों में हुआ है सत्यानाश।'

दिनेश भारती
इन्दौर

किस्मत खुली भी पर वह तो आस ले उड़ी, ऐसी उड़ी कि किस्मत भी खास ले उड़ी, आया था लड़की देखने दामाद बनेगा, लेकिन दामाद को ही लेके सास उड़ी।

डॉ.शंकर सहर्ष
नरसिंहपुर

रंग हरा, लाल, गुलाबी यार लगाओ होली में अपनी अपनी महबूबा को, आज मनाओ होली में हाथ मिलाने का नहीं ये गले लगाने का है दिन,प्यार भरे इस गुलशन को खूब सजाओ होली में।

अमित चितवन
ग्वालियर

होली के हुडदंग में झगड़ा डंडे और पत्थर चले

■ ग्वालियर

शहर के ग्वालियर थाना क्षेत्र में होली खेलने के दौरान कपड़े फाड़ने को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई और डंडे तथा पत्थर भी चले। घटना बुधवार शाम को जहांगीर कटरा क्षेत्र में हुई। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ। इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायल की शिकायत पर 6 के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ग्वालियर थाना क्षेत्र के जहांगीर कटरा प्रजापति मोहल्ला निवासी सोनू प्रजापति के घर होली पर उनका रिश्तेदार मोनू प्रजापति आया था। उस समय पास ही रहने वाला केशव यादव अपने साथियों के साथ होली खेल रहा था। उसने मोनू प्रजापति को रोककर होली के हुड़दंग में कपड़े फाड़ दिए। जब उसने विरोध किया तो विवाद होने लगा। उस समय तो मोनू वहां से निकल आया, लेकिन दस मिनट बाद केशव यादव ने अपने साथी रवि यादव, अमित थापा, विनय जोशी, निजाम खान और राहुल जोशी के साथ पहुंचा। जहां घर के बाहर बैठे मोनू प्रजापति को गाली गलौज कर मारपीट करने लगा। मोनू को पिटता देख सोनू व उसके परिजन बीच बचाव करने पहुंचे। तभी विवाद बढ़ गया और मारपीट कर रहे युवकों ने पथराव कर दिया। इस दौरान पत्थर लगने से तीन युवक घायल हो गए। इस घटना को होता देख आस पड़ोस के लोगों ने मोबाइल से इस घटना का वीडियो बना लिया। जिसमें युवक मारपीट और पत्थरबाजी करते कैद हो गए।

घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी युवक भाग निकले। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए हजीरा सिविल अस्पताल में भेज दिया। वहीं पुलिस ने सोनू प्रजापति की शिकायत पर सभी आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज, बलवा और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सम्पादकीय

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली-जामा पहनाने का उपक्रम शुरु हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है, यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं। बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह, वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे। यही वजह है कि जेडीयू में कार्यकर्ताओं का एक वर्ग उनके राज्यसभा में जाने को लेकर निराश है। बहरहाल, अब तक विधान परिषद, बिहार विधानसभा और लोकसभा का सदस्य रहने के बाद, वे राज्यसभा के भी सदस्य बन जाएंगे। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस बिहार की सत्ता में होने वाले बदलाव को जनता के साथ छल बता रही है। इसे जनादेश के विरुद्ध कदम बताया जा रहा है। वहीं आरजेडी की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से बिहार की जनता हतप्रभ है। यह सब भाजपा के विधानसभा में संख्याबल के दबाव में होना था, लेकिन यह इतना जल्दी हो जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। वे इसे जेडीयू के संकुचन की शुरूआत बता रहे हैं।

सुप्रीमकोर्ट में आठवीं की किताब: संस्थागत गरिमा बनाम शैक्षिक स्वायत्तता

अरुण कुमार डनायक

हाल ही में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित एक अध्याय ने व्यापक सार्वजनिक एवं विधिक विमर्श को जन्म दे दिया है। हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायिक व्यवस्था के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार तथा न्यायाधीशों की कमी, जटिल विधिक प्रक्रियाओं और कमजोर अवसंरचना के कारण लंबित भारी बोझ को रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि लगभग 80 हजार मामले सर्वोच्च न्यायालय में, 60 लाख उच्च न्यायालयों में और करीब पांच करोड प्रकरण निचली अदालतों में लंबित हैं। पाठ्यपुस्तक में भ्रष्टाचार का उल्लेख करते हुए न्यायाधीशों की आचार-संहिता, शिकायत-निवारण तंत्र, 1,600 से अधिक शिकायतों तथा महाभियोग जैसी संवैधानिक प्रक्रिया का भी विवरण दिया गया है। इसमें केवल आरोप नहीं, बल्कि जवाबदेही की संरचना भी स्पष्ट की गई है। गंभीर मामलों में संसद श्महाभियोगश द्वारा न्यायाधीश को पदच्युत कर सकती है, यद्यपि यह प्रक्रिया समुचित जाँच और निष्पक्ष अवसर के बाद ही आगे बढ़ती है। यह स्वीकार किया गया है कि विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग कभी-कभी भ्रष्टाचार का अनुभव करते हैं, इसलिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था में विश्वास सुदृढ़ करने के प्रयास जरूरी हैं। विवाद का केंद्र यह नहीं था कि पाठ्यपुस्तक ने न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया, बल्कि यह आपत्ति थी कि भ्रष्टाचार की चर्चा केवल न्यायपालिका के संदर्भ में की गई, जबकि राजनीति, कार्यपालिका और नौकरशाही जैसे अन्य क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं का समतुल्य उल्लेख नहीं था। कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह तर्क रखा कि इस प्रस्तुतिकरण से एक असंतुलित छवि निर्मित होती है, जो विद्यार्थियों में धारणा बना सकती है, मानो भ्रष्टाचार का प्रश्न मुख्यतरू या विशिष्ट रूप से न्यायपालिका से ही जुड़ा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस विषय को गंभीर बताते हुए कहा कि वे श्किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे।श उन्होंने संकेत दिया कि यह एक श्सुनियोजित और गहनश विषय हो सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में केवल स्वतरू संज्ञान लिया थाय उसने न तो कोई अंतरिम प्रतिबंध लगाया था, न ही पाठ्यपुस्तक पर रोक का आदेश पारित किया था। इसके बावजूद सरकार ने न्यायालय की अंतिम टिप्पणी या विस्तृत सुनवाई की प्रतीक्षा किए बिना पूरी पुस्तक को ही वापस लेने का निर्णय कर लिया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह कदम न्यायिक आदेश के अनुपालन में था, अथवा संभावित असहमति से पूर्व ही आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति का संकेत? लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संवाद की अपेक्षा की जाती है, न कि आशंकाओं के आधार पर त्वरित वापसी की। प्रश्न उठता है कि क्या न्यायपालिका, अधिवक्ताओं व सरकार द्वारा की गई कार्रवाई निष्पक्ष और विवेकपूर्ण थी? यदि पाठ्यपुस्तक में वही तथ्य उल्लिखित थे, जिन्हें स्वयं न्यायपालिका और पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी समय-समय पर स्वीकार करते रहे हैं और जिनके परिप्रेक्ष्य में आत्ममंथन तथा संस्थागत सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है, तो फिर उन्हें हटाना क्या वास्तव में समाधान कहा जा सकता है? अतीत में कुछ न्यायाधीशों पर लगे गंभीर आरोपों ने न्यायपालिका की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े किए हैंकृकर्नाटक उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीडी दिनाकरन पर आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के बाद महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। इसी प्रकार, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से जले हुए नोटों की बरामदगी ने व्यापक सार्वजनिक बहस को जन्म दिया था। ऐसे प्रकरणों में जाँच धीमी संस्थागत प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ती रही, किंतु जनमानस में यह प्रश्न बना रहा कि जवाबदेही त्वरित और दृश्य रूप में क्यों नहीं उभरती। अधीनस्थ न्यायालयों पर यह आरोप उठते रहे हैं कि पेशियों की तिथियाँ बढ़वाने, कार्य-सूची में हेर-फेर करने या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने हेतु रिश्वत का लेन-देन होता है। विशेष रूप से जमानत संबंधी मामलों में यह धारणा भी व्यक्त की जाती रही है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों के बावजूद निचली अदालतों में अनावश्यक विलंब या कठोरता देखी जाती है। यद्यपि ऐसे आरोप पूरी न्याय-व्यवस्था पर नहीं लगाए जा सकते, लेकिन उनकी पुनरावृत्ति संकेत देती है कि निचले स्तर पर निगरानी और पारदर्शिता को और सुदृढ़ करना आवश्यक है। न्यायपालिका की वास्तविक गरिमा केवल उच्च आदर्शों से नहीं, बल्कि प्रत्येक स्तर पर निष्पक्षता के प्रत्यक्ष अनुभवों से स्थापित होती है। लोकतंत्र में संस्थाएँ केवल शक्तिशाली नहीं, उत्तरदायी भी होती हैं। यदि किसी संस्था पर लगे आरोपों की चर्चा को ही अवमानना या बदनामी मान लिया जाए, तो विमर्श का दायरा संकुचित हो सकता है। साथ ही, यह भी उतना ही सत्य है कि आलोचना तथ्याधारित, संतुलित और मर्यादित होनी चाहिए। यदि समर्थ संस्थाएँ आलोचनात्मक उल्लेख पर त्वरित दमनात्मक प्रतिक्रिया देंगी, तो यह प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी उदाहरण बन सकती है। एनसीईआरटी एक स्वायत्त शैक्षिक संस्था है, जिसका दायित्व अकादमिक मानकों और विशेषज्ञों की अनुशंसाओं के आधार पर पाठ्यक्रम निर्धारण करना हैय किंतु समय-समय पर उस पर राजनीतिक अथवा वैचारिक दबावों के आरोप लगते रहे हैं। इतिहास की पुस्तकों में अध्यायों के पुनर्लेखन और विलोपन के विवाद तो चर्चित रहे ही हैं।

यह स्वीकार किया गया है कि विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग कभी-कभी भ्रष्टाचार का अनुभव करते हैं, इसलिए पारदर्शिता, प्रौद्योगिकी और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से न्यायिक व्यवस्था में विश्वास सुदृढ़ करने के प्रयास जरूरी हैं। विवाद का केंद्र यह नहीं था कि पाठ्यपुस्तक ने न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों का उल्लेख किया, बल्कि यह आपत्ति थी कि भ्रष्टाचार की चर्चा केवल न्यायपालिका के संदर्भ में की गई, जबकि राजनीति, कार्यपालिका और नौकरशाही जैसे अन्य क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं का समतुल्य उल्लेख नहीं था। कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह तर्क रखा कि इस प्रस्तुतिकरण से एक असंतुलित छवि निर्मित होती है, जो विद्यार्थियों में धारणा बना सकती है, मानो भ्रष्टाचार का प्रश्न मुख्यतरू या विशिष्ट रूप से न्यायपालिका से ही जुड़ा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस विषय को गंभीर बताते हुए कहा कि वे श्किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे।श उन्होंने संकेत दिया कि यह एक श्सुनियोजित और गहनश विषय हो सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में केवल स्वतरू संज्ञान लिया थाय उसने न तो कोई अंतरिम प्रतिबंध लगाया था, न ही पाठ्यपुस्तक पर रोक का आदेश पारित किया था। इसके बावजूद सरकार ने न्यायालय की अंतिम टिप्पणी या विस्तृत सुनवाई की प्रतीक्षा किए बिना पूरी पुस्तक को ही वापस लेने का निर्णय कर लिया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह कदम न्यायिक आदेश के अनुपालन में था, अथवा संभावित असहमति से पूर्व ही आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति का संकेत? लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संवाद की अपेक्षा की जाती है, न कि आशंकाओं के आधार पर त्वरित वापसी की। प्रश्न उठता है कि क्या न्यायपालिका, अधिवक्ताओं व सरकार द्वारा की गई कार्रवाई निष्पक्ष और विवेकपूर्ण थी? यदि पाठ्यपुस्तक में वही तथ्य उल्लिखित थे, जिन्हें स्वयं न्यायपालिका और पूर्व मुख्य न्यायाधीश भी समय-समय पर स्वीकार करते रहे हैं और जिनके परिप्रेक्ष्य में आत्ममंथन तथा संस्थागत सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है, तो फिर उन्हें हटाना क्या वास्तव में समाधान कहा जा सकता है? अतीत में कुछ न्यायाधीशों पर लगे गंभीर आरोपों ने न्यायपालिका की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े किए हैंकृकर्नाटक उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश पीडी दिनाकरन पर आय से अधिक संपत्ति के आरोपों के बाद महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी। इसी प्रकार, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से जले हुए नोटों की बरामदगी ने व्यापक सार्वजनिक बहस को जन्म दिया था। ऐसे प्रकरणों में जाँच धीमी संस्थागत प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ती रही, किंतु जनमानस में यह प्रश्न बना रहा कि जवाबदेही त्वरित और दृश्य रूप में क्यों नहीं उभरती। अधीनस्थ न्यायालयों पर यह आरोप उठते रहे हैं कि पेशियों की तिथियाँ बढ़वाने, कार्य-सूची में हेर-फेर करने या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने हेतु रिश्वत का लेन-देन होता है।

भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वक्त में भारत और चीन जैसी शक्तियां भी अमेरिका के निशाने पर होंगी और उनकी यह बात बुधवार को सच साबित होती दिखी। बुधवार 4 मार्च को अमेरिका ने हिंद महासागर के भारतीय क्षेत्र में ईरान का एक युद्धपोत टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया। ईरान के इस युद्धपोत ने हाल ही में भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया था और इसी के बाद वापस लौट रहा था। इस सैन्य अभ्यास को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू-2026 कहा गया, इसकी मेजबानी भारत ने की थी और खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय और ईरानी नौसैनिकों ने एक साथ परेड की थी। लेकिन भारत की संप्रभुता को बड़ी चोट पहुंचाते हुए अमेरिका ने हमला किया और इसमें सफलता का दावा भी किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत अमेरिका ने टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया है। हालांकि, हेगसेथ ने उस ईरानी जहाज का नाम नहीं बताया जिसे डुबोया गया है, जबकि श्रीलंकाई नौसेना ने बताया था कि आईआरआईएस डेना हिंद महासागर में डूब गया है, जिसमें सवार कुल 180 में से लगभग 140 लोग लापता हैं। श्रीलंकाई सरकार ने यह भी कहा कि ईरानी युद्धपोत डेना की ओर से उनके पास एक डिस्ट्रेस कॉल (आपातकालीन संदेश) मिला जिसमें सहायता मांगी गई थी। लेकिन अमेरिका और श्रीलंका की बातों के उलट मोदी सरकार ने पहले इस दावे को श्भ्रामकश बताया। पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, श्एक अमेरिका बेस्ड चौनल में अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैक्ग्रेगर ने कहा कि अमेरिका भारतीय नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए कर रहा है ये दावा बिलकुल $गलत है।श लेकिन सच क्या है ये अब पूरी दुनिया के सामने है। प्रधानमंत्री मोदी इस गंभीर संकट के वक्त भी चुप्पी बरते हुए हैं और सरकार हमले की सीधी निंदा करने की जगह गोल-मोल बातें कर रही है, यह बड़ी चिंता की बात है। क्योंकि अब तक सरकार ने विदेश नीति को पलटने का काम किया था, लेकिन अब तो अतिथि देवो भव के सामान्य शिष्टाचार को निभाने की जहमत भी नहीं उठा रही। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नरेन्द्र मोदी अमेरिका और इजरायल से इतना डर क्यों रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मोदी सरकार को सही सलाह दी है कि, श्अगर हमने ईरानी जहाज को अपने श्मिलनश अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता, तो वह वहां मौजूद नहीं होता। हम इस अभ्यास के मेजबान थे। इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के मुताबिक जहाज किसी भी तरह का गोला-बारूद नहीं ले जा सकते। यानी ईरान का वो जहाज निहत्था था। अमेरिकी पनडुब्बी का हमला पहले से सोचा-समझा था, क्योंकि अमेरिका को इस बात की जानकारी थी कि ईरानी जहाज इस अभ्यास में शामिल है। उन्होंने कहा कि भले ही भारत अमेरिका के इस हमले के लिए राजनीतिक या सैन्य रूप से जिघ्मेदार ना हो लेकिन भारत की जिम्मेदारी नैतिक और मानवीय स्तर पर है। अफसोस यही है कि सरकार इस मूलभूत जिम्मेदारी को निभाने से भी बच रही है। यह देखकर अफसोस होता है कि नेहरू जी के गुट निरपेक्ष आंदोलन से लेकर इंदिरा गांधी के बांग्लादेश निर्माण तक भारत ने हमेशा वैश्विक राजनीति में मजबूती का परिचय दिया। कभी किसी महाशक्ति के दबाव में नहीं झुका। इसी परंपरा को आगे सभी प्रधानमंत्रियों ने निभाया, चाहे वे किसी भी दल के हों, हमने अमेरिका के सामने समर्पण नहीं किया। 2013 का देवयानी खोबरागड़े मामला यहां याद आता है, जब मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी राजनयिकों की सुविधाएं छीनकर श्जैसे को तैसाश जवाब दिया था। लेकिन अब आईआरआईएस डेना पर हमले के बाद मोदी सरकार की श्रणनीतिक चुप्पीश ने भारत की साख खतरे में डाल दी है। अमेरिका की इस मनमानी पर चुप रहना एक तरफ अतिथि देवो भव के हमारे संस्कारों का अपमान है और दूसरी तरफ अपनी संप्रभुता की परवाह न करना भी दिखाता है। गौरतलब है कि 10 साल पहले फरवरी 2016 में नरेन्द्र मोदी ने एक पोस्ट में बताया था कि हिंद महासागर क्षेत्र मेरी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है। इसी तरह का बयान पिछले साल नौसेना प्रमुख ने दिया था कि हिंद महासागर का नाम हमारे नाम पर रखा गया है, अगर हम इसका ख्याल नहीं रखेंगे तो कौन रखेगा। तो अब सवाल है कि नरेन्द्र मोदी की नजर में ऐसे बयानों का कोई अर्थ अब है भी या नहीं। खुद को हिंद महासागर का असली रक्षक कहने वाले भारत की श्चुप्पीश क्या उसी कूटनीतिक दबाव और समझौतापरस्त होने का संकेत है, जिस पर राहुल गांधी कहते हैं कि पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड। भारत के लिए यही श्रेयस्कर है कि अपने क्षेत्र में होने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं पर वह मूकदर्शक बनकर नहीं रहे। हमें अपनी स्वायत्तता और मेहमान की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना होगा। हिन्द महासागर में आईआरएस-डेना के डूबने की घटना को युद्ध की कार्रवाई कहकर टाल देना भारत के लिए रणनीतिक भूल होगी।

खामेनेई की विरासत पर सवाल बरकरार

असद मिर्जा

आयतुल्लाह अली खामेनेई (1939-2026), ईरान के दूसरे सर्वोच्च नेता, 28 फरवरी, 2026 को तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के समन्वित हवाई हमले के दौरान मारे गए थे। अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुरूआती घोषणा के बाद, 1 मार्च, 2026 को ईरानी सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि की। खामेनेई को उनके कार्यालय में ऑपरेशन एपिकफ्यूरी नाम के एक संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मार दिया गया था। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजसी) के कमांडर और रक्षा मंत्री समेत कई दूसरे बड़े अधिकारी भी मारे गए थे। ईरान ने 40 दिन का राजकीय शोक और सात सार्वजनिक छुट्टियां घोषित किए हैं। आयतुल्लाह अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं है। ईरानी संविधान के तहत, राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रमुख और गार्डियन काउंसिल के एक सदस्य वाली एक काउंसिल कुछ समय के लिए नेतृत्व की जिघ्मेदारी संभालेगी। आयतुल्लाह अली खामेनेई ने 1989 से 2026 तक, 36 साल से ज्यादा समय तक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के सर्वोच्च नेता के तौर पर काम किया, जिससे वे मध्य पूर्व में किसी भी देश के सबसे लंबे समय तक रहने वाले प्रमुख बन गए। 1939 में मशहद में जन्मे, आयतुल्लाह खामेनेई 1979 की इस्लामिक क्रांति में एक अहम व्यक्ति थे और 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। एक धर्मशास्त्री होने के नाते,

उन्हें पश्चिम, खासकर अमेरिका और इजराइल के प्रति उनकी गहरी दुश्मनी और उनके पहले के आयतुल्ला हखोमैनी द्वारा बनाए गए धमार्धारित शासन प्रणाली के प्रति उनकी पक्की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। आयतुल्लाह अली खामेनेई के 36 साल के राज ने ईरान को एक ताकतवर अमेरिका-विरोधी शक्ति ताकत बना दिया, जिसने मध्यपूर्वमें अपना सैन्य दबदबा फैलाया, और साथ ही देश में बार-बार होने वाली अशांति को दबाने के लिए सख्ती का इस्तेमाल किया। शुरू में खामेनेई को कमजोर और फैसला न कर पाने वाला कहकर खारिज कर दिया गया था, लेकिन करिश्माई आयतुल्लाहरू होल्लाह खोमैनी, जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑ$फ ईरान की स्थापना की थी, की मौत के बाद सर्वोच्च नेता के लिए उनका चुनाव एक मुश्किल विकल्प लग रहा था। लेकिन देश के शक्ति ढांचे के शीर्ष पर खामेनेई के पहुंचने से उन्हें देश के मामलों पर मजबूत पकड़ मिली। खामेनेई ने लंबे समय तक इस बात से इनकार किया कि ईरान का नाभिकीय कार्यक्रम परमाणु हथियार बनाने के मकसद से था, जैसा कि पश्चिम का कहना था। 2015 में उन्होंने दुनिया की ताकतों और व्यावहारिक राष्ट्रपति हसन रूहानी की सरकार के बीच एक नाभिकीय समझौते का सावधानी से समर्थन किया, जिसने प्रतिबंध में राहत के बदले देश के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगा दी। मुश्किल से हुए इस समझौते के नतीजे के तौर पर ईरान का आर्थिक और राजनीतिक अलगाव कुछ हद तक कम हुआ। अमेरिका के लिए खामेनेई की दुश्मनी कम नहीं हुई। 2018 में यह और बढ़ गई जब ट्रंप की पहली सरकार ने नाभिकीय समझौते से नाम वापस ले लिया और ईरान की तेल और शिपिंग उद्योग को रोकने के लिए फिर से प्रतिबंधलगा दिए। आयतुल्लाह ने अपने पूरे राज में वॉशिंगटन की बुराई की, और वह 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत के बाद भी तीखे हमले करते रहे। अमेरिका के नाभिकीयबातचीत से हटने के बाद, खामेनेई ने उन कट्टर समर्थकों का साथ दिया जिन्होंने रूहानी की पश्चिम के प्रति तुष्टीकरण की नीति की बुराई की थी। जब ट्रंप ने ईरान पर 2025 में एक नयेनाभिकीय समझौते के लिए दबाव डाला, तो खामेनेई ने श्अमेरिका के असभ्य और घमंडी नेताओंश की बुराई की। उन्होंने पूछा, श्आप कौन होते हैं यह तय करने वाले कि ईरान को रेडियोधर्मी तत्वों का परिष्करण करना चाहिए या नहीं? श खामेनेई अक्सर अपने भाषणों में श्महान शैतानश की बुराई करते थे, उन कट्टरपंथियों को भरोसा दिलाते थे जिनके लिए अमेरिका विरोधी भावना 1979 की क्रांति के केंद्र में थी, जिसने ईरान के आखिरी शाह को देश निकाला दे दिया था। अली खामेनेई का जन्म अप्रैल 1939 में नॉर्थ-ईस्ट ईरान के मशहद में हुआ था। 11 साल की उम्र में मौलवी बनने पर उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता सा$फ थी। उन्होंने इराक और ईरान की धार्मिक राजधानी $कोम में पढ़ाई की।

यात्राएं आपका दिल खोलती हैं

मैं 70 वर्ष का हूं और अपनी पत्नी के साथ कहीं घूमने-फिरने जाना चाहता हूं। परिवार के लोग मना करते हैं, लेकिन घूमने की बड़ी इच्छा है, क्या करूं। बुजुर्ग दंपती को मनोवैज्ञानिक सलाहकार नीलकंठ ने यात्रा प्लान करने संबंधी कुछ अहम सुझाव दिए

आपकी इच्छा स्वाभाविक है। नए लोग, नए विचार, नया माहौल-सब मिलकर आपको उम्र से ऊपर उठा देते हैं। पारंपरिक रूप से तीर्थयात्राएं बुजुर्गों का प्रिय गंतव्य स्थल होती थीं, लेकिन अब समय बदल गया है। आवागमन के साधनों ने दूरियां पाट दी हैं। एक समूह की तरह बुजुर्ग भी आनंद के अनुभवों में उतरना चाहते हैं। जिन्हें एक फिल्म 'ऊंचाई' की याद हो, वे जान सकते हैं कि कैसे बुजुर्ग मित्रों की एक यात्रा भावनाओं के ज्वार और रिश्तों के छिपे हुए रहस्य उजागर करती है। लेकिन यदि व्यावहारिक समझ का इस्तेमाल न हो, तो यात्रा मुसीबत में बदल जाती है। अभी ताजा किस्सा मुंबई का है। वहां के रोटरी क्लब के 60 वरिष्ठ सदस्यों ने असम-मेघालय टूर प्लान किया। एक ट्रेवल प्लानर राहुल को उन्होंने कुल 33 लाख रुपये एडवांस में दे दिए। एक दिन प्लानर ने फोन किया कि बारिश की वजह से टूर रद्द करना पड़ा है, लिहाजा वह पैसे लौटा देगा। उसने चेक दिए। चेक बाउंस हो गए और ट्रेवल प्लानर लापता। बुजुर्गों को तब एहसास हुआ कि वे ठगे गए हैं। यह तो तब है, जब एक प्रतिष्ठित क्लब के सदस्य सामूहिक रूप से छुट्टियां प्लान करने बैठे थे। इसलिए कुछ जरूरी बातों को यदि याद रखें, तो छुट्टी का आनंद वास्तव में ऊर्जा लेकर आएगा। हर प्रस्ताव और विचार को खूब परखें। ट्रेवल प्लान यदि परिचित समूह में हो तो बेहतर। एक जैसे स्वभाव के लोग हों, तो आनंद बढ़ जाता है। टूर गाइडेड ही हों, ताकि गंतव्य पर पहुंच कर अनावश्यक दौड़-भाग न हो। प्रतिष्ठित टूर कंपनी का ही प्लान लें और उसकी जांच करें। वरिष्ठों के कुछ विशेष लाभ हों, तो उनका समावेश करवाएं। व्हीलचेयर से लेकर स्वास्थ्य के हिसाब से खाने तक की बात इन सावधानियों में शामिल रखें। यात्रा का वक्त ऐसा चुनें, जो स्वास्थ्य के अनुकूल हो। लगातार टैक्सी में बैठना, जेट लेग या धूप व तपिश बर्दाश्त करने की क्षमता सबकी अलग-अलग होती है। अकेले बुजुर्ग दंपती यदि यात्रा का प्लान बनाते हैं और घर पर कोई नहीं रहने वाला है, तो सुरक्षा के लिहाज से गोपनीयता बरतें। असामाजिक तत्व खाली मकानों पर घात लगाकर रख सकते हैं। पड़ोसी और विश्वस्त मित्रों को जरूर विश्वास में लें और अपनी योजना इस प्रकार साझा करें कि वे आपके लिए जरूरत पड़ने पर मददगार साबित हों। डॉक्टर की सलाह से ही दुर्गम स्थलों की यात्रा की योजना बनाएं। बेहतर हो प्रकृति का आनंद, स्थानीय संस्कृति का अनुभव और कम थकान देने वाले गंतव्य चुनें। आवश्यक दवाइयां, डॉक्टर की पर्ची, कपड़ों समेत हल्का सामान, तबीयत के मुताबिक थोड़ी खाने की चीजें ही लगेज में हों। खुद को सामान ढोने वाला नहीं, प्रफुल्लित यात्री बनाएं। ट्रेवल बीमा जरूर करवाएं। कई बार लगता है कि यह फालतू खर्च है, लेकिन यह किसी अनहोनी के प्रति सुरक्षा प्रबंध है। सामान खोने, फ्लाइट रद्द होने या मेडिकल इमरजेंसी में यह उपयोगी होता है। इमरजेंसी नंबर सहयात्रियों के साथ साझा करें। क्रेडिट-डेबिट कार्ड, आधार, पासपोर्ट जैसी चीजें अनिवार्य हैं। परिवार के लोगों या करीबी मित्रों के साथ यात्रा के विवरण साझा करते रहें और संपर्क अपडेट करते रहें। यात्रा उत्साह से शुरू करें और आत्मविश्वास से भर कर लौटें। शुभ यात्रा!

राजधानी में अगले जुमे होगा बड़ा प्रदर्शन,अमेरिका-इजराइल के खिलाफ एकजुट होंगे मुस्लिम

लखनऊ (संवाददाता)। ईरान पर हुए हमले को लेकर लखनऊ में अगले जुमे बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। आसिफी मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने ईरान की सलामती और शांति के लिए दुआ कराई। चेतावनी दी है कि यदि ये हमले जारी रहे तो हम यहां से अपनी आवाज बुलंद करेंगे। 6 मार्च की नमाज के दौरान बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे और मस्जिद परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। कल्बे जव्वाद के अनुसार, 13 मार्च की नमाज के बाद लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। मौलाना कल्बे जव्वाद ने अपने बयान में कहा कि ईरान पर किया गया हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के खिलाफ है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल को इस पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति और इंसाफ की बात करने वाले देश अगर खुद ऐसे कदम उठाते हैं तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मौलाना ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से वैश्विक तनाव और बढ़ सकता है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने ईरान के मुद्दे पर भारत की चुप्पी को लेकर भी सवाल खड़े किए।

केले का छिल्का है विटामिंस का खजाना, एक नहीं कई हैं फायदे

केले और केले के छिलके दोनों ही सेहत के लिए कई तरह से लाभकारी हैं। हरे और पके केले पाचन की दिक्कतों को ठीक करने के अलावा आपको कई लाभ दे सकते हैं। आइए केले के छिलकों से होने वाले स्वास्थ्य लाभ जान लेते हैं। अच्छी सेहत के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में पौष्टिक चीजों की मात्रा बढ़ाने की सलाह देते हैं। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, डाइट में मौसमी फलों को जरूर शामिल करना चाहिए। मौसमी फल, सीजन के हिसाब से शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान करते हैं। केले आमतौर पर हर मौसम में उपलब्ध होते हैं, इस फल को अध्ययनों में सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद पाया गया है। केला में फाइबर, पोटैशियम जैसे जरूरी न्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जिनकी हमें नियमित रूप से जरूरत होती है। पाचन से लेकर ब्लड प्रेशर और दिल की सेहत में सुधार के लिए भी केला खाना लाभकारी माना जाता है। केला खाने के बाद अक्सर लोग इसके छिलके फेंक देते हैं, पर क्या आप जानते हैं केले के फल की ही तरह इसके छिलके में भी भरपूर पोषक तत्व होते हैं? शोध में छिलकों को भी बहुत फायदेमंद बताया गया है।

कम न समझिए केले के छिलके को

डॉक्टर और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट केला को रोजाना डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आप केले को छिलके से भी कई लाभ पा सकते हैं। केले के छिलके में भी एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और ल्यूटिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसे सही तरीके से इस्तेमाल करने पर पाचन से लेकर त्वचा और दिल से लेकर मेंटल हेल्थ तक में लाभ पाया जा सकता है। आप हरे और पके केले दोनों के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए केले के छिलकों के फायदे जान लेते हैं।

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, केले के छिलके को कई तरीकों से डाइट में शामिल करके लाभ पाया जा सकता है। स्मूदी में ब्लेंड करके या आइसक्रीम टॉपिंग के तौर पर केले के छिलके का इस्तेमाल किया जा सकता है। पके केले के नरम छिलकों को उबाल कर खाया जाता है। ये आपको कई लाभ दे सकता है।

पाचन के लिए केला और छिलके दोनों लाभकारी

केले के छिलके में अच्छी मात्रा में डाइटरी फाइबर पाया जाता है, जो आंतों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाता है। अध्ययनों में पाया गया है कि फाइबर कब्ज की समस्या को कम करता है और आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करता है। केले का छिलका खासकर रेजिस्टेंट स्टार्च का स्रोत माना जाता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में सहायक होता है।

हार्ट और आंखों के लिए फायदेमंद

केले के छिलके में पॉलीफेनॉल, कैरोटेनॉयड्स और फ्लेवोनॉयड्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। ये तत्व शरीर में बनने वाले फ्री-रेडिकल्स को कम करते हैं और इंफ्लेमेशन से बचाते हैं। इंफ्लेमेशन कम होने से दिल की सेहत में सुधार होता है और कैंसर का खतरा भी जोखिम कम होता है। ये विटामिन-ए का भी अच्छा स्रोत है, जो आपकी आंखों को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है।

मेंटल हेल्थ में भी मिलता है लाभ

केले में ट्रिप्टोफैन भी पाया जाता है। केले के छिलकों में मौजूद विटामिन बी6 के साथ मिलकर ये डिप्रेशन और दूसरे मूड डिसऑर्डर के कुछ लक्षणों को कम करने में मदद कर सकती है। ट्रिप्टोफैन टूटने पर सेरोटोनिन में बदल जाता है, जिससे आपका मूड बेहतर हो सकता है। विटामिन बी6 नींद को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, जिसका समय के साथ मूड पर अच्छा असर पड़ता है। केले के छिलकों को डाइट में शामिल करने के साथ आप त्वचा और बालों पर भी लगा सकते हैं। इससे भी आपको विशेष लाभ मिल सकता है।

महिला दिवस पर अपनी महिला मित्र, मां, बहन या पार्टनर को कैसे खास महसूस कराएं?

सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और समानता का प्रतीक है। इस दिन अपने जीवन की खास महिलाओं को यह महसूस कराएं कि वे आपके लिए कितनी अनमोल हैं। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, उनके संघर्ष और समाज में उनके योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन केवल औपचारिक शुभकामनाएँ देने के लिए नहीं, बल्कि अपने जीवन की खास महिलाओं जैसे मां, बहन, दोस्त या पार्टनर को यह महसूस कराने का भी अवसर है कि वे आपके लिए कितनी महत्वपूर्ण हैं। अगर आप भी इस दिन को खास बनाना चाहते हैं, तो कुछ छोटे-छोटे लेकिन दिल से किए गए प्रयास किसी भी महिला को बेहद खुश कर सकते हैं।

दिल से आभार व्यक्त करें

कभी-कभी सिर्फ थैंक यू कहना भी बहुत मायने रखता है। अपनी मां, बहन या पार्टनर को बताइए कि उनके प्रयास और प्यार आपके जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं। एक छोटा सा मैसेज या नोट भी उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है।

एक छोटा सा सरप्राइज गिफ्ट दें

महिला दिवस पर कोई महंगा उपहार जरूरी नहीं है। एक छोटा सा गिफ्ट जैसे किताब, फूल, पसंदीदा चॉकलेट या कोई पर्सनलाइज्ड गिफ्ट भी उन्हें खास महसूस करा सकता है

उनके लिए कुछ खास करें

अगर आपकी मां या पार्टनर रोज घर का काम करती हैं, तो इस दिन उन्हें आराम दें। आप उनके लिए खाना बना सकते हैं, घर के कामों में मदद कर सकते हैं या उन्हें बाहर डिनर पर ले जा सकते हैं।

साथ में समय बिताएं

आज की व्यस्त जिंदगी में समय सबसे कीमती चीज है। इस दिन उनके साथ कहीं घूमने जाएं, फिल्म देखें या बस साथ बैठकर बातें करें। यह समय उनके लिए बहुत मायने रखेगा।

उनकी उपलब्धियों की सराहना करें

हर महिला अपने जीवन में कई जिम्मेदारियाँ निभाती है। उनकी मेहनत, उपलब्धियों और सपनों की सराहना करें। यह उन्हें और ज्यादा आत्मविश्वास देगा।

हाउसमेकर से लेकर कामकाजी महिलाओं तक, हर किसी को जानने चाहिए ये 5 अधिकार

हर साल 8 मार्च का दिन महिलाओं को समपर्पित होता है, क्योंकि हर साल 8 मार्च को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। ये दिन हर महिला को सम्मान देने के लिए होता है, भले ही

वो हाउसमेकर हो, या फिर कामकाजी महिला हों। महिला दिवस केवल उत्सव और सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण के महत्व को समझने का अवसर भी है। सही जानकारी और जागरूकता ही महिलाओं को अपने जीवन में स्वतंत्र निर्णय लेने, समान अवसर पाने और समाज में सम्मान सुनिश्चित करने में मदद करती है। आज हम आपको पांच ऐसे अहम अधिकारों के बारे में बताएंगे, जिनका हर महिला को पता होना चाहिए। ये अधिकार न केवल उन्हें सशक्त बनाते हैं, बल्कि घर और समाज में उनकी सुरक्षा और सम्मान भी सुनिश्चित करते हैं। महिला दिवस पर इन अधिकारों को जानना और अपनाना हर महिला के लिए एक जरूरी कदम है।

1. शिक्षा का अधिकार

भारतीय संविधान की अनुच्छेद 15(1) और 15(3) महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को रोकते हैं और शिक्षा के समान अवसर सुनिश्चित करते हैं। ऐसे में कोई भी परिवार ये नहीं कह सकता कि वो सिर्फ अपने घर के लड़कों को पढ़ने भेजेगा, और लड़कियों को नहीं।

2. स्वास्थ्य का अधिकार

भारतीय कानून के तहत महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मिलना अनिवार्य है। मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 सुरक्षित प्रसव और मातृत्व अवकाश सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति और प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को कानूनी मान्यता दी गई है।

3. समान वेतन और रोजगार का अधिकार

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39(ं) और 39(f) समान वेतन और काम के समान अवसर सुनिश्चित करता है। इसके अलावा भेदभाव उन्मूलन अधिनियम 1976 के तहत पुरुष और महिला कर्मचारियों को समान काम के लिए समान वेतन देना अनिवार्य है।

4. सुरक्षा का अधिकार

भारतीय संविधान की अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देती है। इसके अलावा महिला सुरक्षा कानून जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, शोषण रोकथाम अधिनियम और धारा 498अ महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

5. संपत्ति और आर्थिक स्वतंत्रता का अधिकार

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 2005 के तहत बेटियों को पिता की संपत्ति में बराबर हिस्सा मिलता है। इसके अलावा अनुच्छेद 15 और 19 महिलाओं को आर्थिक निर्णय और व्यापार करने का अधिकार भी सुनिश्चित करते हैं। महिलाएं अपने बैंक खाता और निवेश पर स्वतंत्र निर्णय ले सकती हैं।

क्यों हर महिला को जिंदगी में एक बार सोलो ट्रैवल जरूर करना चाहिए?

आज की महिला आत्मनिर्भर, साहसी और अपने सपनों को पूरा करने के लिए तैयार है। यात्रा उसके लिए केवल एक शौक नहीं, बल्कि खुद को खोजने और दुनिया को समझने का एक शानदार तरीका है। आजकल महिलाएं केवल घर और करियर तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अपनी जिंदगी को अपने तरीके से जीना चाहती हैं। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के बीच सोलो ट्रैवल और यात्रा अनुभव का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। भारत के कई पर्यटन स्थलों पर जहां लोग परिवार, पार्टनर या ग्रुप में घूमने पहुंचते हैं, वहां कोई एक ऐसी महिला भी दिख जाती है जो अकेले घूमने निकली हो।

उसे देखकर हिम्मत भी आती है और उसका जीवन स्वतंत्र व रोचक भी लगता है। लेकिन इस महिला दिवस के मौके पर यह समझना जरूरी है कि सफर केवल घूमने का जरिया नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और

नई पहचान पाने का माध्यम बन गया है। दरअसल, महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हर महिला को अपने सपनों को जीने और दुनिया देखने का अधिकार है। इसलिए अगर मौका मिले तो यात्रा जरूर करें। आइए जानते हैं महिलाओं के लिए यात्रा, वो भी अकेले क्यों आवश्यक है और इसका क्या फायदा है।

महिलाओं के लिए यात्रा क्यों जरूरी है?

यात्रा महिलाओं को रोजमर्रा की जिम्मेदारियों और तनाव से कुछ समय के लिए दूर ले जाती है। नई जगहों को देखने, अलग संस्कृतियों को समझने और नए लोगों से मिलने का अनुभव जीवन को एक नया नजरिया देता है। जब महिलाएं अकेले या दोस्तों के साथ यात्रा करती हैं तो वे अपने फैसले खुद लेना सीखती हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपनी क्षमताओं को बेहतर तरीके से पहचान पाती हैं।

सोलो ट्रैवल का बढ़ता ट्रेंड

आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की वजह से महिलाओं के बीच सोलो ट्रैवल का ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कई महिला ट्रैवल ब्लॉगर और कंटेंट क्रिएटर अपनी यात्राओं के अनुभव साझा कर रही हैं, जिससे अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं।

यात्रा से मिलता है नया अनुभव

यात्रा केवल पर्यटन नहीं है, बल्कि यह एक सीखने की प्रक्रिया भी है। यात्रा से कई अनुभव मिलते हैं, जैसे

नई संस्कृति को समझना

अलग-अलग भोजन का स्वाद लेना

प्रकृति के करीब जाना

स्थानीय लोगों के जीवन को जानना

ये सभी अनुभव व्यक्ति के सोचने और समझने के तरीके को बदल देते हैं।

महिलाओं के लिए सुरक्षित यात्रा टिप्स

अगर महिलाएं यात्रा की योजना बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

यात्रा से पहले जगह के बारे में पूरी जानकारी लें

जरूरी डॉक्यूमेंट और आपातकालीन नंबर साथ रखें

सुरक्षित और विश्वसनीय होटल बुक करें

परिवार या दोस्तों को अपनी यात्रा की जानकारी देते रहें

इन छोटी-छोटी सावधानियों से यात्रा और भी सुरक्षित और सुखद बन सकती है।

गर्मियों में सुबह- सुबह चबा लें ये चमत्कारी पत्ता,रोगों की होगी छुट्टी

गर्मियों के मौसम में कई लोग शरीर को ठंडा और स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक चीजों का सहारा लेते हैं। ऐसा ही एक पौधा है डवतने ंसइ, जिसे आम भाषा में शहतूत कहा जाता है। जहां इसके फल

स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं, वहीं इसके पत्ते भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में शहतूत के पत्तों का इस्तेमाल कई स्वास्थ्य समस्याओं में किया जाता रहा है। आइए जानते हैं गर्मियों में शहतूत के पत्ते चबाने से शरीर को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद

शहतूत के पत्तों में ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों के अनुसार यह ज्लचम 2 क्पंइमजमे के मरीजों के लिए लाभकारी हो सकते हैं। गर्मियों में शरीर में गर्मी और थकान बढ़ जाती है। शहतूत के पत्तों में मौजूद पोषक तत्व शरीर को ठंडक देने और ऊर्जा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

पाचन को बेहतर बनाते हैं

शहतूत के पत्तों में फाइबर और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इससे कब्ज और पेट से जुड़ी छोटी समस्याओं से राहत मिल सकती है। इन पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन पाए जाते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद

कुछ अध्ययनों के अनुसार शहतूत के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और दिल की सेहत को बेहतर रखने में सहायक हो सकते हैं। इससे भ्मंतज क्पेमेंम का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है।

सेवन कैसे करें?

सुबह खाली पेट 2,3 ताजे शहतूत के पत्ते अच्छी तरह धोकर चबाएं। चाहें तो इनके पत्तों की चाय बनाकर भी पी सकते हैं। किसी भी प्राकृतिक चीज का अधिक सेवन नुकसानदेह हो सकता है। अगर आपको पहले से कोई बीमारी है या आप दवा ले रहे हैं, तो शहतूत के पत्तों का नियमित सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होता है। शहतूत के पत्ते पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और गर्मियों में इनका सीमित मात्रा में सेवन ब्लड शुगर कंट्रोल, पाचन सुधारने और शरीर को ठंडक देने में मदद कर सकता है।

क्या आप जानते हैं हमेशा के लिए शराब छोड़ने के बाद शरीर और दिमाग में होता है क्या असर ?

बहुत से लोग मानते हैं कि अगर वे सिर्फ कभी-कभी शराब पीते हैं तो इससे शरीर पर ज्यादा असर नहीं पड़ता। लेकिन डॉक्टरों के अनुसार, चाहे शराब कम पी जाए या ज्यादा इसे छोड़ने के बाद शरीर और दिमाग दोनों में कई सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि शराब छोड़ने के बाद शरीर धीरे-धीरे खुद को ठीक करने लगता है। आइए जानते हैं कि शराब बंद करने के बाद शरीर और मानसिक

स्वास्थ्य में क्या-क्या बदलाव आ सकते हैं।

नींद की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है

कई लोगों को लगता है कि शराब पीने से जल्दी नींद आ जाती है, लेकिन वास्तव में यह नींद की गुणवत्ता को खराब करती है। शराब छोड़ने के बाद नींद गहरी और बेहतर हो सकती है, जिससे सुबह शरीर ज्यादा फ्रेश महसूस करता है।

लिवर की सेहत में सुधार

शराब का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। लगातार शराब पीने से फैटी लिवर और अन्य लिवर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। जब कोई व्यक्ति शराब छोड़ देता है, तो लिवर धीरे-धीरे खुद को रिपेयर करने लगता है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है

शराब छोड़ने के बाद कई लोगों में चिंता और तनाव कम होने लगता है। लंबे समय तक शराब पीना मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे अवसाद को बढ़ा सकता है। शराब से दूरी बनाने पर मूड ज्यादा स्थिर और सकारात्मक हो सकता है।

वजन कम होने में मदद

शराब में काफी कैलोरी होती है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। शराब छोड़ने के बाद शरीर में अतिरिक्त कैलोरी कम हो जाती है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

त्वचा और ऊर्जा में सुधार

शराब शरीर को डिहाइड्रेट करती है। इसे छोड़ने के बाद त्वचा ज्यादा हेल्दी और चमकदार दिख सकती है। साथ ही शरीर में ऊर्जा भी बढ़ सकती है और थकान कम महसूस होती है। शराब छोड़ने के कुछ हफ्तों बाद कई लोग महसूस करते हैं कि उनकी याददाश्त, ध्यान और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर हो गई है।

दिल की सेहत बेहतर हो सकती है

अधिक शराब पीना भ्मंतज क्पेमेंम हाई ब्लड प्रेशर और अनियमित धड़कन का खतरा बढ़ा सकता है। शराब बंद करने से दिल पर पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है और हार्ट हेल्थ में सुधार आ सकता है।

ध्यान रखने वाली बात

जो लोग लंबे समय से बहुत ज्यादा शराब पीते हैं।

नगर निगम के समाधान दिवस में महिला की तबीयत बिगड़ी,लिफ्ट खराब होने से सीढ़ियां चढ़ने पर फूली सांस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस में महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण वह सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंची थीं। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। उसे कुर्सी पर बैठाकर नीचे उतारा गया। 90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंची। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या? समाधान दिवस में मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुछ फरियादियों ने समस्या का समाधान न होने पर नाराजगी जाहिर की। 60 साल के बुजुर्ग ने कहा- 8 बार चक्कर लगा चुका हूं। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जान दे दूं क्या? वजीरगंज की रहने वाली राम दुलारी का कहना है कि 15 हजार हाउस टैक्स आया है। इसके कारण परेशानी हो रही। बात करते हुए उन्होंने कहा कि लिफ्ट खराब थी। सीढ़ियां चढ़कर ऊपर गई। इससे सांस फूलने लगी। तबीयत खराब हो गई। ईटीएफ बल के कर्मचारी कुर्सी पर बैठाकर सीढ़ियों से लेकर नीचे पहुंचे। कुछ देर बाद उनकी तबीयत ठीक हुई।

मैच का पासा पलटने वाले पल; दुबे का प्रमोशन, अक्षर के कैच और बूम-बूम-बुमराह

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। संजू सैमसन की 89 रन की पारी, जसप्रीत बुमराह का शानदार ओवर, अक्षर पटेल का बेहतरीन कैच और आखिरी ओवर की रणनीति इस जीत के सबसे बड़े टर्निंग पॉइंट साबित हुए। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्वकप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल रोमांच से भरा रहा। मुंबई के वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में 253 रन बनाने के बावजूद इंग्लिश टीम आखिरी ओवर तक टक्कर में रही। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव झेलते हुए और आखिरी पलों में नब्ज पर काबू रखते हुए सात रन से जीत हासिल की और लगातार दूसरी बार टी20 विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई। अब आठ मार्च यानी रविवार को फाइनल में अहमदाबाद में टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया के कई फैसले मास्टरस्ट्रोक साबित हुए। चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, उन फैसलों ने टर्निंग पॉइंट का काम किया और मैच का पासा पलट गया। आइए हम मैच के उन्हीं टर्निंग पॉइंट्स पर नजर डालते हैं 1. शिवम दुबे को बैटिंग में प्रमोट करना अभिषेक शर्मा का बल्ला एक बार फिर

नहीं चला और वह दूसरे ओवर में विल जैक्स की गेंद पर आउट हो गए। अभिषेक नौ रन बना सके। फिर ईशान किशन के साथ सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी निभाई। ईशान (39) भी 10वें ओवर में आउट हो गए। इस विश्वकप में चौथे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार ही उतरे हैं, लेकिन यहां टीम मैनेजमेंट ने सूझबूझ दिखाते हुए शिवम दुबे को भेजा और यह फैसला मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। उस वक्त इंग्लैंड के स्टार स्पिनर आदिल रशीद गेंदबाजी कर रहे थे और उन्होंने ही ईशान किशन का विकेट चटकाया था। दुबे को आदिल को ही काउंटर करने के लिए भेजा गया और दुबे ने यह काम बखूबी निभाया। उन्होंने बीच के ओवरों में भारत के रन रेट को कम नहीं होने दिया और रशीद के दो ओवरों में तीन छक्के जड़ दिए। इंग्लैंड के स्पिन अटैक को नेस्तनाबूद कर दिया। दुबे को प्रमोट करने के टीम मैनेजमेंट के फैसले की वाकई सराहना हो रही है। दुबे ने 25 गेंद में 43 रन बनाए। 2. ब्रूक ने सैमसन का कैच ड्रॉप किया भारत की जीत की सबसे बड़ी नींव संजू सैमसन की धमाकेदार बल्लेबाजी रही। उन्होंने सिर्फ 42 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली और इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरूआत से ही दबाव में ला दिया। सैमसन को शुरूआती ओवरों में जीवनदान भी मिला जब इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। भारतीय पारी के तीसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर की गेंद पर सैमसन ने मिड ऑन पर शॉट लगाया और गेंद सीधे ब्रूक के हाथों में गई, लेकिन उनके हाथ से छिटक गई। तब सैमसन 15 रन पर थे। इस गलती का सैमसन ने पूरा फायदा उठाया। और भारत के स्कोर में 75 रन और जोड़े। उन्होंने सात छक्के लगाते हुए इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी को तहस-नहस कर दिया। उनकी इस पारी ने भारत को 250 से ज्यादा स्कोर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म दिया। मैच के बाद ब्रूक ने कहा भी कि कैच छोड़ना उनकी सबसे बड़ी गलती थी। 3. भारत ने 19वें ओवर तक छह विकेट पर 237 रन बना लिए थे। हालांकि, वानखेड़े की पिच को देखते हुए भारतीय टीम और बल्लेबाजों को पता था कि यहां 250 रन से कम कुछ भी बनाया जा सकता है। 19वें ओवर की समाप्ति के बाद अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या क्रीज पर थे। अक्षर के पास स्ट्राइक थी, इसके बावजूद इंग्लैंड के कप्तान ब्रूक ने ऑफ स्पिनर विल जैक्स को गेंद सौंपी। यह जानते हुए कि हार्दिक स्पिन को बहुत अच्छा खेलते हैं, ब्रूक का यह फैसला गलत साबित हुआ। अक्षर ने पहली गेंद पर एक रन लिया और इसके बाद हार्दिक ने अगली तीन गेंद में दो छक्के लगाकर भारत को 250 के पार पहुंचाया। हालांकि, इसके बाद दो रन चुराने के चक्कर में हार्दिक रन आउट हो गए। फिर भी इस ओवर में 16 रन आए। 4. अक्षर पटेल का करिश्मा, दो कैच, एक असिस्ट अगर पूरी दुनिया में कोई भी टीम इस रन चेज को इतना असरदार बनाने की क्षमता रखती थी तो वह इंग्लैंड ही थी। उनके पास शुरू से ही आक्रामक बल्लेबाज थे। हालांकि, फिर अक्षर पटेल का जादू दिखा। उन्होंने पहले फिल सॉल्ट का आसान कैच लिया। फिर हैरी ब्रूक का कैच 25 मीटर पीछे दौड़ते हुए लिया। इसे कैच ऑफ द टूर्नामेंट भी कहा जा रहा है। फिर एक अहम मोड़ पर बाउंड्री लाइन पर 21 मीटर दौड़ लगाकर विल जैक्स का कैच लपका और जब उन्हें लगा कि उनका बैलेंस बिगड़ रहा है और वह बाउंड्री लाइन के पार चले जाएंगे तो उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए पास खड़े दुबे को गेंद फेंक दी और दुबे ने कैच कम्प्लीट किया। 'बापू' के नाम से मशहूर अक्षर के क्रंच मोमेंट पर लिए गए इन तीन कैचों ने मैच का रुख पलट दिया। कमेंटेटर ने तो यहां तक कहा कि असली प्लेयर ऑफ द मैच के हकदार अक्षर ही हैं। 5. बुमराह का 16वां और 18वां ओवर, हार्दिक का 19वां ओवर रन चेज में इंग्लैंड की टीम कभी पीछे नहीं दिखी। ओवरों के बाद जब टीम इंडिया और इंग्लैंड के स्कोर और रन रेट की तुलना हो रही थी, तो इंग्लिश टीम हमेशा बराबरी पर दिखी। बस उनके एक या दो विकेट ज्यादा गिरे थे। हालांकि, जेकब बेथल ने कभी रन रेट कम नहीं होने दिया।

आपएक सच्चे लीडर की तरह बात कर रहे, दिग्गज कमेंटेटर इयान बिशप ने क्यों की सैमसन की तारीफ

मुंबई। संजू सैमसन की यह लगातार दूसरी मैच विजयी पारी थी। इसलिए जब वह प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार लेने पहुंचे तो प्रेजेंटर के तौर पर मौजूद वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी इयान बिशप ने उनकी जमकर तारीफ की। इसके बाद सैमसन ने कुछ ऐसा कहा जिससे बिशप भावुक हो गए और उन्होंने संजू को लीडर बता दिया। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को सात रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

संजू सैमसन ने लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया और उन्हें उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। संजू सैमसन की यह लगातार दूसरी मैच विजयी पारी थी। इसलिए जब वह प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार लेने पहुंचे तो प्रेजेंटर के तौर पर मौजूद वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी इयान बिशप ने उनकी जमकर तारीफ की। बिशप ने सैमसन को लगातार दूसरे प्लेयर ऑफ द मैच के लिए बधाई दी। इसके जवाब में सैमसन ने कहा, 'जीत का सारा श्रेय जसप्रीत बुमराह को जाता है। वह एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। ऐसे गेंदबाज जेनरेशन में एक बार आते हैं। उनका इस मैच में प्रदर्शन ऐसा ही था। प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड असल में उन्हें जाना चाहिए। अगर हमने डेथ ओवर्स में वैसी बॉलिंग नहीं की होती, तो मुझे लगता है कि मैं यहां खड़ा नहीं होता।' सैमसन की इस बात को सुनकर इयान बिशप काफी प्रभावित हुए और उन्हें एक सच्चा लीडर बताया। भारतीय टीम की जीत में संजू सैमसन ने बल्ले से तो जसप्रीत बुमराह ने गेंद से अहम भूमिका निभाई। संजू सैमसन ने 42 गेंदों पर 7 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि बुमराह ने चार ओवरों में मात्र 33 रन देकर दो विकेट लिए। इसमें 16वें और 18वें ओवर में क्रमशः आठ और छह रन दिए। इन दो ओवरों ने मैच का पलड़ा भारत की तरफ मोड़ दिया। अगर बुमराह के ओवर के किफायती नहीं रहे होते तो भारतीय टीम ये मैच गंवा सकती थी। इसीलिए संजू ने बुमराह की तारीफ की। मैच पर नजर डालें तो भारत ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के 42 गेंदों पर बनाए गए 89 रन की मदद से 253 रन बनाए थे। जैकब बेथेल के 48 गेंदों पर सात छक्कों और आठ चौकों की मदद से खेली गई 105 रन की यादगार पारी के बावजूद इंग्लैंड सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी और मैच सात रन से हार गई।

आमिर की भविष्यवाणी फिर गलत होने पर किसने कहा ऐसा?

मुंबई। भारत के टी20 विश्व कप 2026 फाइनल में पहुंचने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर पर तंज कसते हुए उन्हें ढोंगी बाबा कहा। आमिर की भारत के खिलाफ की गई भविष्यवाणियां गलत साबित होने पर यह बयान आया, जिस पर आमिर

ने भी अपना जवाब दिया। टी20 विश्वकप 2026 का एक और मैच और पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर की एक और भविष्यवाणी गलत साबित हुई। आमिर ने भविष्यवाणी की थी टीम इंडिया फाइनल में नहीं पहुंचेगी और इंग्लैंड आसानी से जीत हासिल करेगी, लेकिन हुआ उसके बिल्कुल विपरीत। भारत ने जीत हासिल की और न्यूजीलैंड के साथ आठ मार्च को खिताबी भिड़ंत की तारीख तय की। आमिर की इससे पहले सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने वाली भविष्यवाणी भी गलत साबित हुई थी। हालांकि, इतनी गलत भविष्यवाणी के बावजूद यह पाकिस्तानी गेंदबाज बाज नहीं आ रहा। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने आमिर को लताड़ा है और उन्हें ढोंगी बाबा बताया है। सिद्धू ने बातों बातों में पाकिस्तान पर भी तंज कसा और कहा कि सिर्फ भीख मांगने से जीत नहीं मिलती या खिताब नहीं मिलता। खिताब के लिए मैदान पर जंग लड़ी जाती है। आइए पहले जानते हैं कि आमिर ने क्या भविष्यवाणी की थी। 'इंग्लैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी करे तो जीत के ज्यादा चांस' पाकिस्तानी शो 'हारना मना है' के दौरान अपनी राय रखते हुए आमिर ने कहा था कि मुंबई की पिच बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार होती है। उन्होंने कहा था, 'भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल मैच अच्छी विकेट पर होगा। अगर इंग्लैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी करता है तो उसके जीतने के ज्यादा चांस होंगे, क्योंकि मुंबई में आम तौर पर हाई-स्कोरिंग मैच होते हैं।' उनका मानना था कि इस परिस्थिति में इंग्लैंड के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के लिए इस पूरे टूर्नामेंट में अब तक फिल सॉल्ट और जोस बटलर ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। अगर उनका बल्ला चला तो यह इंग्लैंड के लिए बोनस होगा। आमिर का मानना था कि इंग्लैंड के गेंदबाज भी अच्छे फॉर्म में हैं और इंग्लैंड के गेंदबाज भी अच्छी बल्लेबाजी कर लेते हैं। भारतीय बल्लेबाजी पर उठाए थे सवाल आमिर ने भारतीय टीम की बल्लेबाजी को लेकर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार भारत की टीम में सिर्फ एक-दो बल्लेबाज ही अच्छा प्रदर्शन कर पा रहे हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी अपेक्षा के मुताबिक योगदान नहीं दे रहे। उन्होंने कहा, 'अगर भारत की बात करें तो सिर्फ एक या दो बल्लेबाज ही प्रदर्शन कर रहे हैं। वही खिलाड़ी टीम को अंत तक ले जाते हैं, लेकिन बाकी बल्लेबाज फॉर्म में नहीं दिख रहे।' आमिर ने आगे कहा, 'ईशान किशन ने हमारे खिलाफ अच्छा खेला था। अभिषेक शर्मा फॉर्म में नहीं हैं। तिलक वर्मा प्रभाव नहीं डाल पाए। सूर्यकुमार यादव ने सुपर-8 के बाद कुछ खास नहीं किया। संजू सैमसन ने जरूर प्रदर्शन किया है और जसप्रीत बुमराह अच्छा कर रहे हैं।' इंग्लैंड को बताया था सेमीफाइनल का फेवरेट भारतीय टीम के प्रदर्शन का आकलन करते हुए आमिर ने साफ तौर पर इंग्लैंड को इस मुकाबले में फेवरेट बताया था। उनका मानना था कि मौजूदा हालात में इंग्लैंड की टीम ज्यादा संतुलित और खतरनाक नजर आ रही है। आमिर ने कहा, 'आप यह नहीं कह सकते कि यह टीम पूरी तरह से मैच पर हावी हो जाएगी। मेरे हिसाब से इस मैच में इंग्लैंड फेवरेट है।' आमिर के साथ मौजूद पाकिस्तान के पूर्व ओपनर अहमद शहजाद और राशिद लतीफ ने भी उनके बयान पर सहमति जताई थी।

आखिरी ओवर में गेंदबाजी के लिए तैयार थे अक्षर पटेल?

मुंबई। भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल में आखिरी ओवर को लेकर बड़ा फैसला देखने को मिला, जब 30 रन बचाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अक्षर पटेल की जगह शिवम दुबे को गेंद थमाई। दुबे ने 22 रन देकर भारत को सात रन से जीत दिलाई। मैच के बाद अक्षर ने कहा कि वह आखिरी ओवर के लिए तैयार थे और उन्हें भरोसा था कि पांच छक्के नहीं खाएंगे। टी20 विश्वकप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में एक वक्त ऐसा आया था कि सभी सोच में पड़ गए थे 20वां ओवर कौन करेगा। इंग्लैंड को जीत के लिए 20वें ओवर में 30 रन बनाने थे। भारत अपने चार गेंदबाजों का इस्तेमाल कर चुका था और सिर्फ अक्षर पटेल का आखिरी ओवर बचा था। हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अहम फैसला लेते हुए गेंद शिवम दुबे को थमाई और दुबे ने निराश नहीं किया। टीम इंडिया को सात रन से जीत मिली और टीम फाइनल में पहुंच गई। मैच के बाद अब अक्षर ने खुलासा किया है कि वह आखिरी ओवर में गेंदबाजी के लिए तैयार थे और उन्हें विश्वास था कि वह पांच छक्के तो नहीं खाएंगे। 20वें ओवर में इंग्लैंड को 30 रन चाहिए थे दरअसल, इंग्लैंड ने 15 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 185 रन बना लिए थे। आखिरी पांच ओवर में उन्हें जीत के लिए 69 रन बनाने थे। तब भारत की ओर से बुमराह के दो ओवर बाकी थे, जबकि हार्दिक-अर्शदीप और अक्षर का एक-एक ओवर बाकी था। भारत ने पांच गेंदबाजों से ही गेंदबाजी कराई थी। क्रीज पर जैकब बेथल और सैम करन मौजूद थे। 16वें ओवर में बुमराह ने आठ रन दिए। फिर 17वें ओवर में अर्शदीप ने 16 रन खर्च किए। 18वें ओवर में फिर बुमराह गेंदबाजी के लिए आए और छह रन दिए। 19वें ओवर में हार्दिक गेंदबाजी के लिए आए नौ रन दिए। इस तरह 20वें ओवर में 30 रन की दरकार थी। ऐसे में कप्तान के पास एक ही विकल्प थे- अक्षर पटेल। पर सूर्यकुमार ने जोखिम उठाते हुए दुबे को गेंदबाजी दी और दुबे ने अपनी जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण ओवर में 22 रन दिए। साथ ही इस ओवर में बेथल रन आउट भी हुए। अक्षर पटेल ने 20वें ओवर को लेकर क्या कहा? मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए अक्षर ने कहा कि वह गेंदबाजी की प्रैक्टिस शुरू कर चुके थे। उन्होंने हंसते हुए बताया, 'मैं तैयार था।

भारत-न्यूजीलैंड मैच से पहले होगा समापन समारोह, अहमदाबाद में रिकी मार्टिन बिखेरेंगे जलवा

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। इस मैच से पहले आईसीसी ने समापन समारोह का इंतजाम किया है, जिसमें मशहूर पॉप सिंगर रिकी मार्टिन परफॉर्म करेंगे। टी20 विश्व कप 2026 अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। रविवार यानी 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम करने पर होंगी। इससे पहले टीम ने 2024 में रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को और न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल में जलवा बिखेरेंगे रिकी मार्टिन फाइनल मुकाबले से पहले टी20 विश्व कप के समापन समारोह का आयोजन होगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय पॉप सुपरस्टार रिकी मार्टिन जलवा बिखेरेंगे। इसकी जानकारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को दी। भारतीय समयानुसार कार्यक्रम शाम 5:30 बजे शुरू होगा। अपनी दमदार आवाज, स्टेज पर जबरदस्त मौजूदगी और दुनिया भर में लैटिन पॉप गानों के लिए लोकप्रिय इस गायक की प्रस्तुति की खबर सुन फैंस रोमांचित हैं। गायक से उम्मीद है कि वह मैच देखने आए फैंस को एक रोमांचक और यादगार अनुभव देंगे। आईसीसी ने क्या कहा? आईसीसी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'टी20 विश्व कप की पार्टी अब और बड़ी हो गई है। हमें यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वैश्विक आइकॉन और सुपरस्टार रिकी मार्टिन आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले क्लोजिंग सेरेमनी के मुख्य आकर्षण होंगे। आप इस कार्यक्रम को मिस नहीं करना चाहेंगे।' कितने बजे शुरू होगा कार्यक्रम? आईसीसी ने बताया है कि फाइनल के दिन स्टेडियम के गेट दोपहर 3.30 बजे खुलेंगे।

हार्दिक पांड्या के आउट होने पर बेटे ने क्यों लगाई क्लास? माहिका के सामने इस तरह डांटा

मुंबइ। भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल के दौरान हार्दिक पांड्या के रन आउट होने पर उनके बेटे अगस्त्य का मजेदार रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। माहिका शर्मा ने बेटे को शांत कराया। हार्दिक ने मैच में 12 गेंदों पर 27 रन बनाए और गेंदबाजी में दो विकेट लेकर भारत की सात रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। टी20 विश्वकप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारत ने सात रन से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। मैच में जहां खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं स्टैंड्स में बैठा एक छोटा सा फैन भी चर्चा का केंद्र बन गया। यह नन्हा फैन और कोई नहीं, बल्कि हार्दिक पांड्या के बेटे अगस्त्य हैं। हार्दिक पांड्या जब रन आउट होकर पवेलियन लौटे तो अगस्त्य इससे खुश नजर नहीं आए। उनके चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। यही पल कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। अगस्त्य ने पिता को ह्यडांटह्य दिया! मैच के दौरान अगस्त्य हार्दिक की गर्लफ्रैंड माहिका शर्मा के साथ स्टैंड्स में बैठकर मैच देख रहे थे। जैसे ही हार्दिक पांड्या रन आउट होकर लौटे, अगस्त्य ने आवाज देकर पहले हार्दिक को बुलाया, फिर इशारों में अपनी नाराजगी जाहिर की। छोटे से बच्चे को शायद उम्मीद थी कि उनके पिता नाबाद लौटेंगे। अगस्त्य के इस मजेदार रिएक्शन को देखकर आसपास बैठे लोग भी मुस्कुराने लगे। स्थिति को समझते हुए माहिका शर्मा ने बेटे को शांत कराने की कोशिश की। उनका यह रिएक्शन भी कैमरे में कैद हो गया और देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हार्दिक की छोटी, लेकिन अहम पारी मैदान पर हार्दिक पांड्या ने भले ही ज्यादा देर बल्लेबाजी नहीं की, लेकिन उनकी 12 गेंदों पर 27 रन की तेज पारी भारत के लिए बेहद अहम साबित हुई। इस छोटी लेकिन प्रभावी पारी की बदौलत भारत ने सात विकेट पर 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस बड़े स्कोर ने इंग्लैंड पर शुरूआत से ही दबाव बना दिया।

बापू बल्लेबाजों के लिए हानिकारक: अक्षर का 24 मीटर पीछे दौड़कर लिया कैच देखा!

मुंबई। भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल में अक्षर पटेल की शानदार फील्डिंग ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 24 मीटर दौड़कर हैरी ब्रूक का कैच पकड़ा और विल जैक्स के विकेट में भी अहम भूमिका निभाई। इन कैचों की तुलना टी20 विश्वकप 2024 में अक्षर और सूर्यकुमार यादव के मैच बदलने वाले कैचों से की जा रही है। टी20 विश्वकप 2026 के सबसे रोमांचक मैचों में से एक मैच गुरुवार को खेला गया। मुंबई के वानखेड़े में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को हाईस्कोरिंग मैच में सात रन से तो हराया, लेकिन भारतीय फैंस की सांसें अटक गई थीं। जेकब बेथेल के वन मैन आर्मी शो ने लगभग भारत से जीत छीन ही ली थी, लेकिन क्रंच मोमेंट में सूझबूझ ने टीम इंडिया को जीत दिलाई। इस मैच में सबसे खास बात टीम इंडिया की फील्डिंग रही। अक्षर पटेल ने मुश्किल कैच लपके और भारत की जीत सुनिश्चित की। अक्षर का तीन कैचों में योगदान रहा, जिसमें से दो तो काफी मुश्किल थे। इन्हें कैच ऑफ द टूर्नामेंट भी कहा जा रहा है। अक्षर के इन कैचों की तुलना 2024 टी20 विश्वकप से की जा रही है। ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स स्टार स्पोर्ट्स ने तो अक्षर के कैचों का वीडियो शेयर करते हुए लिखा- बापू बल्लेबाजों के लिए हानिकारक है। अक्षर ने बुमराह के पहले ओवर की पहली गेंद पर ब्रूक का कैच 24 मीटर पीछे दौड़ते हुए और डाइव लगाते हुए लपका। इस कैच ने ब्रूक की अहम विकेट दिलाई और मैच कुछ हद तक भारत की ओर मुड़ा, क्योंकि ब्रूक इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसके बाद एक वक्त विल जैक्स और जेकब बेथेल मैदान पर जम गए और 39 गेंद में 77 रन की साझेदारी कर डाली। दोनों ने चौके-छक्कों की बरसात कर दी थी। तभी अर्शदीप की फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट पर खेला। वहां बाउंड्री लाइन पर खड़े अक्षर ने 21 मीटर कवर किया और दौड़ते हुए कैच लपका। हालांकि, उनकी स्पीड इतनी थी कि उन्हें लगा कि वह बाउंड्री लाइन के पार चले जाएंगे। अक्षर ने सूझबूझ दिखाते हुए बाउंड्री लाइन के पार जाने से पहले गेंद को शिवम दुबे की ओर टॉस कर दिया और दुबे ने कैच को कम्प्लीट किया। इस तरह खतरनाक विल जैक्स 20 गेंद में 35 रन बनाकर आउट हुए। यह दोनों कैच क्रंच मोमेंट पर आए और दो अहम इंग्लिश खिलाड़ी पवेलियन लौटे। इसने मैच का रुख भारत की ओर मोड़

दिया। क्यों याद आया टी20 विश्वकप 2024 अब अक्षर के कैच की तुलना 2024 में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान देने वाले दो कैचों से हो रही है। पहला कैच खुद अक्षर का था और दूसरा सूर्यकुमार यादव का। दरअसल, 2024 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सुपर-8 का 51वां मुकाबला खेला गया था। सेंट लूसिया में खेले गए इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 205 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट पर वॉर्नर के रूप में पहला झटका लगा था। हालांकि, इसके बाद ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल मार्श मैदान पर जम गए थे। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ 81 रन जोड़े। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई पारी के नौवें ओवर में कुलदीप यादव की गेंद पर मार्श ने लंबा शॉट खेला। पर गेंद बाउंड्री लाइन पर खड़े अक्षर के हाथों में चिपक गई। अक्षर ने वह कैच एक हाथ से लपका था। यह मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ था भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया था। स्टार स्पोर्ट्स ने इसका वीडियो भी शेयर किया है। वहीं, टी20 विश्वकप का दूसरा कैच, जिससे अक्षर के कैच की तुलना हो रही है, वह है सूर्यकुमार का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में लिया गया कैच। फाइनल में भारत ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे।

प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिलने से खुश नहीं हुए सैमसन? बताया किसे मिलना चाहिए था ये सम्मान

मुंबई। भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने सेमीफाइनल में मिली जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया। सैमसन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में 42 गेंद की अपनी आक्रामक पारी में 89 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए संजू सैमसन ने कहा कि इस जीत का सबसे ज्यादा श्रेय जसप्रीत बुमराह को मिलना चाहिए। बड़े स्कोर वाले इस मैच मे बुमराह ने चार ओवर में 33 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने मैच के 18वें ओवर में सिर्फ छह रन देकर इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। भारत ने सात विकेट पर 253 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को सात विकेट पर 246 रन पर रोक दिया। सैमसन को गेंदबाजों को दिया जीत का श्रेय अपनी पारी में आठ चौके और सात छक्के

लगाने वाले सैमसन ने कहा, हम आज टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और इसका पूरा श्रेय जसप्रीत बुमराह को जाता है। मुझे लगता है कि वह विश्व-स्तरीय गेंदबाज हैं, पीढ़ी में एक बार मिलने वाले गेंदबाज और आज उन्होंने वही दिखाया। दरअसल प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार उन्हीं को दिया जाना चाहिए। अगर हमने आखिरी ओवरों में उस तरह की गेंदबाजी नहीं की होती, तो शायद मैं यहां खड़ा नहीं होता। इसलिए पूरा श्रेय गेंदबाजों को जाता है, जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में खुद पर भरोसा दिखाया और शानदार प्रदर्शन किया। अपनी पारी को लेकर क्या बोले संजू सैमसन ने अपनी पारी के बारे में पूछे जाने पर कहा, बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। मुझे पिछले मैच से ही लग रहा था कि मेरी लय वापस आ रही है। मैंने खुद को थोड़ा अतिरिक्त समय दिया और इसका अच्छा नतीजा मिला। जैसा कि मैंने पहले भी कहा, आपको परिस्थितियों का आकलन करना होता है। हमने वानखेड़े में काफी क्रिकेट खेला है और यहां लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाता है। पिछले मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी खेलने वाले सैमसन ने शतक से चूकने के बारे में कहा, जहां तक शतक की बात है, मेरा मानना है कि शतक सोचकर नहीं बनाया जाता, वह खेल की प्रक्रिया में अपने आप आता है। यह टेस्ट या वनडे की तरह नहीं है कि आप रफ्तार ऊपर-नीचे कर सकें। जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं तो आपको लगातार आक्रामक खेलना होता है। अंत में आप सही स्थिति में पहुंच जाएं तो पता नहीं कितने रन बन जाएं।

होली व चौत्र नवरात्रि स्पेशल कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। होली और चौत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक, और बड़ी संख्या में खरीदार मौजूद रहे। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए 100 से अधिक मास्टर बुनकरों द्वारा तैयार किए गए एथनिक और पारंपरिक सिल्क व कॉटन हैंडलूम उत्पादों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम और टसर सिल्क जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ आधुनिक डिजाइन के आकर्षक परिधान भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा कश्मीरी प्योर क्रेप की साड़ियां, प्योर सिल्क मार्क अप्रूव्ड साड़ियां तथा कई विशेष हैंडलूम उत्पाद भी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। प्रदर्शनी में आए आगंतुकों ने यहां उपलब्ध वस्त्रों की गुणवत्ता, डिजाइन और विविधता की सराहना की। पारंपरिक शिल्प और आधुनिक फैशन का सुंदर संगम इस प्रदर्शनी में देखने को मिल रहा है, जो फैशन प्रेमियों और पारंपरिक परिधानों के शौकीनों को खासा आकर्षित कर रहा है।

'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो' ; पश्चिम एशिया तनाव के बीच दिशा पाटनी की बहन खुशबू का पोस्ट

लोगों से की ये अपील

पश्चिम एशिया में तनाव अभी भी बरकरार है। दुनियाभर में इस स्थिति पर रिएक्शन दिए जा रहे हैं। इस बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और पूर्व सेनाधिकारी खुशबू पाटनी ने लोगों को एक सलाह दी है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत में भी लोगों के अलग-अलग रिएक्शन देखे जा रहे हैं।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद देश में कई जगह प्रदर्शन हुए। वहीं, तमाम लोगों ने इस पर आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों के बीच बहस के बीच दिशा पाटनी की बहन व पूर्व सेनाधिकारी खुशबू पाटनी ने लोगों को सलाह दी है कि इस तनाव को धर्म से जोड़कर न देखें। उन्होंने और क्या कहा? जानिए खुशबू बोलीं- 'ईरान हमारा देश नहीं' खुशबू पाटनी भारतीय सेना में मेजर के पद से रिटायर हैं। इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के बीच वे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लगातार अपने रिएक्शन दे रही हैं। इस बीच उन्होंने आज शुक्रवार को उन्होंने एक पोस्ट साझा कर लोगों को सलाह दी है कि वे भावनात्मक रूप से इस युद्ध से न जुड़ें। इसकी वजह से आपस में बहस में न उलझें। यह धार्मिक युद्ध नहीं है। और, ईरान हमारा देश नहीं है। 'हमें भावनात्मक रूप से कूदने की जरूरत नहीं' उन्होंने लिखा है, 'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो। जब तक भारत सीधे इस ईरान, इस्राइल और यूएसए युद्ध में शामिल नहीं है, हमें इसमें भावनात्मक रूप से कूदने की जरूरत नहीं है। यह कोई धार्मिक युद्ध नहीं है। यह पावर, सिक्योरिटी और क्षेत्रीय प्रभाव का खेल है। इसे धर्म की लड़ाई समझना बहुत बड़ी गलती है। असल में यह जियो पॉलिटिक्स, मिलिट्री रणनीति और और वैश्विक गठबंधन का मामला है, जो आम लोगों की समझ से कहीं ज्यादा जटिल होता है'। खुशबू ने आगे लिखा है, 'सोशल मीडिया पर इसे धर्म बनाकर बेचा जा रहा है, लेकिन देशों के फैसले तेल, शक्ति संतुलन, सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभुत्व से तय होते हैं। ईरान हमारा देश नहीं है। किसी दूसरे देश की राजनीति के लिए अपने ही देशवासियों से लड़ना समझदारी नहीं है।

पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन का अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी के लिए उमड़ा प्यार

शादी के 15 साल पूरे होने पर दी खास अंदाज में बधाई

आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी के लिए एनिवर्सरी की एक बहुत ही प्यारी विश शेयर की, जिसने सबका दिल जीत लिया। साथ में बिताए 15 साल पूरे होने की खुशी मनाते हुए, इस चहेते स्टार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी लाइफ पार्टनर स्नेहा रेड्डी के लिए एक दिल छू लेने वाला मैसेज लिखा। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए अल्लू अर्जुन ने लिखा, हैप्पी एनिवर्सरी, क्यूटी। साथ में 15

साल। तुम्हारे बिना यह सफर ऐसा (इतना खूबसूरत) नहीं हो सकता था। अल्लू अर्जुन अपने फैंस को अपनी निजी जिंदगी की झलकियों से जोड़े रखने के लिए जाने जाते हैं। पुष्पा स्टार उन गिने-चुने एक्टर्स में से हैं जो अपने फैंस को अपने परिवार की तरह मानते हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने भाई अल्लू शिरीष की शादी से पहले के जश्न में भी अपने फैंस को न्योता दिया था, उनका यह अंदाज फैंस के लिए हमेशा यादगार रहेगा। अल्लू अर्जुन और स्नेहा रेड्डी साल 2011 में शादी के बंधन में बंधे थे और तब से वे फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। पिछले कुछ सालों में, उनके रिश्ते की गहराई और मजबूती की अक्सर तारीफ की जाती रही है। यह कपल दो प्यारे बच्चों के माता-पिता भी हैं, जो उनके पारिवारिक पलों को उन फैंस के लिए और भी खास बना देते हैं जो इस स्टार की जिंदगी को करीब से फॉलो करते हैं। काम की बात करें तो, अल्लू अर्जुन के पास कुछ बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें एटली के निर्देशन में बनने वाली सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्म ए।22 और उसके बाद लोकेश कनगराज की ए।23 शामिल हैं।

कैलिफोर्निया में गिरफ्तार हुई ब्रिटनी स्पीयर्स

अरेस्ट के अगले ही दिन पुलिस ने किया रिहा

अमेरिकन सिंगर ब्रिटनी स्पीयर्स को लेकर एक शॉकिंग खबर सामने आ रही है। सिंगर को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया और अरेस्ट के अगले ही दिन उन्हें रिहा कर दिया। अब ब्रिटनी को पुलिस ने क्यों गिरफ्तार किया, एक वेबसाइट के मुताबिक हॉलीवुड सिंगर ब्रिटनी स्पीयर्स को बुधवार

रात दक्षिणी कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया। अगली सुबह उन्हें रिहा भी कर दिया गया। अब सिंगर ब्रिटनी को 4 मई को कोर्ट में पेश होना है। अब ब्रिटनी को किस मामले में गिरफ्तार किया गया, इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आए है। ब्रिटनी स्पीयर्स एक जानी मानी अमेरिकन सिंगर हैं। उन्हें प्रिंसेस ऑफ पॉप म्यूजिक कहा था। अपने अपनी सिंगिंग के साथ-साथ बोल्ड अवतार को लेकर भी चर्चा में रहती हैं।

जान्हवी कपूर ने 29वें जन्मदिन की दिखाई इनसाइड तस्वीरें

काटा केक

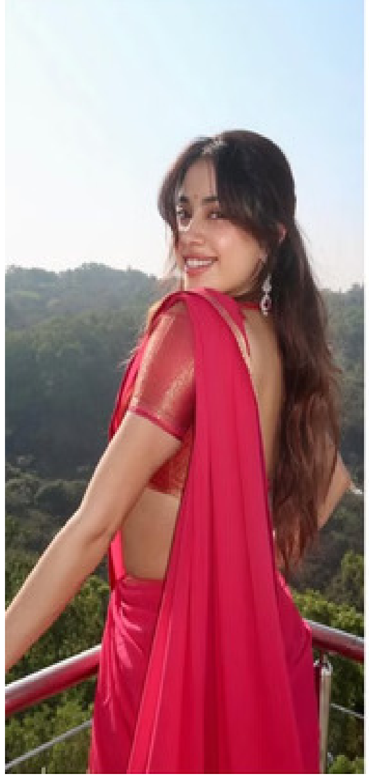

आज जान्हवी कपूर का 29वां जन्मदिन है। जिसके सिलेब्रेशन की खास तस्वीरें खुद जान्हवी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। फिल्म निमार्ता बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर का आज 6 मार्च को 29वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर जान्हवी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने जन्मदिन सेलिब्रेशन की इनसाइड तस्वीरें शेयर की हैं। जान्हवी कपूर ने अपने 29वें जन्मदिन की कई खास इनसाइड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी ऊंची पहाड़ी पर लाल साड़ी में पोज देती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में जान्हवी कुछ औरतों के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर केक की है, जिस पर लिखा है-'हैप्पी बर्थडे लाडो'। इसके अलावा और भी कई शानदार तस्वीरें हैं, जिनमें जान्हवी ने कच्चे आम के अलावा सीढ़ियों की तस्वीर शेयर की है। जानकारी के अनुसार, जान्हवी ने अपने 29वें जन्मदिन पर आंध्र प्रदेश के तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए नंगे पैर लगभग 2150 सीढ़ियां चढ़ीं।

बेटी संग इंडिया-इंग्लैंड का मैच देखने पहुंचे रणबीर-आलिया

मम्मी-पापा के साथ टीम इंडिया को चीयर करती दिखीं नन्हीं राहा

5 मार्च (गुरुवार को) मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सेमीफाइनल मुकाबला हुआ, जहां बॉलीवुड के कई सितारे टीम इंडिया को समर्थन देने पहुंचे। इस बीच बी-टाउन के फेमस कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर

भी अपनी बेटी राहा के साथ मैच देखने पहुंचे, जहां कपल की लाडली टीम इंडिया को चियर करती दिखीं। इस दौरान की उनकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि नन्हीं राहा अपने पिता रणबीर की गोद में बैठी हैं। इस दौरान राहा खुशी से उछलती हुई ताली बजातीं और टीम इंडिया को चीयर करती दिखीं। उनके इस क्यूट अंदाज ने सबका दिल जीत लिया। वहीं आलिया भट्ट मुस्कुराते हुए बेटी और पति की ओर देख रही हैं। एक और फोटो में रणबीर अपनी बेटी संग बातें करते नजर आए। बता दें, भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सेमीफाइनल मुकाबला देखने रणबीर-आलिया के अलावा वरुण धवन, अनिल कपूर, नीता अंबानी, राधिका मर्चेंट, आकाश अंबानी और श्लोक मेहता जैसे सितारे भी पहुंचे। वहीं, बात करें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के काम की तो दोनों जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में साथ दिखाई देंगे, जिसमें विक्की कौशल भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा रणबीर कपूर अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसमें वह भगवान राम का किरदार निभाएंगे। वहीं आलिया भट्ट के पास फिल्म अल्फा है, जिसमें वह बॉबी देओल और शरवरी बाग के साथ दिखाई देंगी।

वृषकर्मा के इवेंट में नागा चौतन्य के साथ हादसा, कुर्सी पर बैठते ही पट से गिरे एक्टर, वीडियो वायरल

साउथ सिनेमा के चर्चित एक्टर नागा चौतन्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वृषकर्मा को लेकर सुर्कियों में हैं, जिसका वे जमकर प्रमोशन करने में जुटे हुए हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में हाल ही में एक एक इवेंट में पहुंचे, जहां उनके साथ एक हादसा हो गया। घटना कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। दरअसल, नागा चौतन्य हा ही में एक कार्यक्रम के दौरान स्टेज पर रखी कुर्सी में जैसे ही बैठे तो वह पलट गई और एक्टर पीछे की ओर गिर पड़े। आस-पास खड़े लोगों ने उन्हें तुरंत संभाला। इस घटना को नजरअंदाज कर नागा मुस्कुराने लगे और फिर इवेंट शुरू हुआ। नागा चौतन्य का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो देख उनके फैंस भी शॉक्ड हो गए और अपने तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। अपकमिंग फिल्म वृषकर्मा की बात करें इस फिल्म में नागा चौतन्य लीड रोल में नजर आएंगे। फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कांशीराम की 92वीं जयंती पर मायावती दिखाएंगी ताकत, राजधानी में जुटेंगे हजारों कार्यकर्ता

लखनऊ (संवाददाता)। सत्ता का वनवास और अपनी पहचान, विचारधारा व अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही बसपा सुप्रीमो एक बार फिर एक्टिव मोड में नजर आ रह है। चुनाव दर चुनाव हर के बाद भी मायावती ने फिर से कार्यकताओं एंव संगठन को धार देने में जुट गई है। दरअसल, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पार्टी संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती के अवसर पर 15 मार्च को ह्यलखनऊ चलोह्ल का आान किया है। इस दिन राजधानी में बसपा कार्यकताओं और समर्थकों का बड़ा जमावड़ा होने की संभावना है। कार्यक्रम का आयोजन पुरानी जेल रोड स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर किया जाएगा। पार्टी नेताओं के मुताबिक जयंती कार्यक्रम में प्रदेश के 12 मंडलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक लखनऊ पहुंचेंगे। इस मौके पर पार्टी संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को संदेश भी दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार बसपा सुप्रीमो मायावती भी लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित कर सकती हैं। हालांकि पार्टी की ओर से उनके कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन कार्यकताओं में इसे लेकर उत्साह देखा जा रहा है। इसी दिन नोएडा में भी कांशीराम की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पार्टी के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद राजस्थान के भरतपुर में एक जनसभा या रैली को संबोधित कर सकते हैं।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में नहीं घटेंगे आईपीएस के पद

पीएमओ की सलाह के बाद होगा 'नियमों में बदलाव'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) में 'आईपीएस' अफसरों की प्रतिनियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार, वैधानिक संशोधन की तैयारी में है। अब यह मामला, गृह मंत्रालय से 'पीएमओ' में जा चुका है। पीएमओ की सलाह के बाद ही आईपीएस प्रतिनियुक्ति के 'नियमों में बदलाव' होगा। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि फिलहाल पीएमओ, किसी भी तरह से केंद्रीय बलों में आईपीएस की प्रतिनियुक्ति का कोटा घटाने के मूड में नहीं है। इसके पक्ष में सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया है। साथ ही अर्धसैनिक बलों के कैडर अफसर, जो पदोन्नति के मोर्चे पर पिछड़ रहे हैं, उन्हें भी कुछ राहत दी जा सकती है। सीएपीएफ अफसरों के कैडर रिव्यू में विभिन्न रैंकों के लिए तय अपग्रेडेशन के प्रतिशत में बढ़ोतरी किए जाने की उम्मीद है। क्यों पड़ रही वैधानिक संशोधन की जरुरत ... पिछले साल 23 मई को सीएपीएफ कैडर अफसरों के करियर प्रोग्रेशन के संबंधित एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सीएपीएफ में 'एसएजी' (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड) स्तर तक के पदों पर आईपीएस की प्रतिनियुक्ति को सरकार, अगले दो साल में धीरे-धीरे कम करे। इन बलों में आईपीएस के चलते सीएपीएफ के कैडर अधिकारी, पदोन्नति में पिछड़ जाते हैं। उन्हें नेतृत्व का अवसर नहीं मिल पाता। इन बलों में केवल एनएफएफयू (नॉन फंक्शनल फाइनेंशियल अपग्रेडेशन) के लिए नहीं, बल्कि सभी कार्यों के लिए 'संगठित समूह ए सेवा' (ओजीएएस) पैटर्न' लागू हो। छह महीने में 'कैडर रिव्यू' हो। सरकार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 'पुनर्विचार याचिका' दायर की, मगर वह भी खारिज हो गई। अवमानना केस में सरकार को नोटिस जारी हो गया। अब सरकार के पास, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए वैधानिक संशोधन के अलावा दूसरा विकल्प नहीं बचा है। सभी रैंकों में आईपीएस प्रतिनियुक्ति का कोटा बना रहेगा ... फिलहाल केंद्रीय बलों में आईपीएस प्रतिनियुक्ति का कोटा डीआईजी स्तर पर 20-25 प्रतिशत, आईजी स्तर पर 50 प्रतिशत और एडीजी स्तर पर 75 प्रतिशत तय है। अब इन पदों में कटौती नहीं होगी। गत वर्ष सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विपरित केंद्र में आईपीएस प्रतिनियुक्ति की संख्या बढ़ा दी गई। गत जून माह के दौरान केंद्र में 678 आईपीएस थे, दिसंबर में यह संख्या 700 के पार चली गई। आईपीएस की संख्या कम होने की जगह बढ़ गई। पीएमओ में कई प्रपोजल पर विचार के बाद यह निर्णय लिया गया है कि आईपीएस के पदों में कटौती न की जाए। यानी मौजूदा कोटा बना रहेगा। अब यह देखने वाली बात है कि सरकार किस तरह से नियमों में बदलाव करती है।

राज्यपालों के फेरबदल पर तृणमूल कांग्रेस का सरकार पर हमला, कहा- राजभवन बन गए हैं भाजपा के वॉर रूम

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में गवर्नरों के हालिया फेरबदल को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। पार्टी का आरोप है कि यह कदम संवैधानिक संघवाद की भावना के खिलाफ है। पश्चिम बंगाल में आर एन रवि की नियुक्ति और सी वी आनंद बोस के इस्तीफे ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कई राज्यों में राज्यपालों के फेरबदल को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि यह फेरबदल मोदी सरकार के संवैधानिक संघवाद के प्रति अनादर को दशार्ता है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र

सरकार ने राजभवनों को भाजपा के वॉर रूम में बदल दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार देर रात कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपाल बदल दिए। इस बड़े फेरबदल के तहत आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल बनाया गया है। उन्होंने सी.वी. आनंद बोस की जगह ली है। आनंद बोस ने गुरुवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। टीएमसी नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा कि राज्यपालों की नियुक्ति में राज्य सरकारों को शामिल करना चाहिए। उन्होंने सरकारिया और पुंछी कमीशन की सिफारिशों का हवाला दिया। रॉय के मुताबिक, इन रिपोर्टों में साफ कहा गया है कि राज्यपाल चुनने के लिए एक पैनल बनना चाहिए। साथ ही संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से सलाह लेना जरूरी है। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए बिना पूछे नया राज्यपाल चुनना गलत है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से ठीक पहले आनंद बोस का इस्तीफा चर्चा का विषय बन गया है। बोस ने फोन पर बताया कि वह साढ़े तीन साल से बंगाल के राज्यपाल थे और अब उनके लिए इतना समय काफी है। हालांकि, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में राजनीतिक फायदे के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने बोस पर दबाव डाला होगा।

एपस्टीन से जुड़े नए खुलासे में ट्रंप का नाम

महिला का दावा किशोरावस्था में उसके साथ किया शोषण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एपस्टिन फाइल्स में नए खुलासे में एक महिला ने डोनाल्ड ट्रंप पर किशोरावस्था में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। व्हाइट हाउस ने आरोपों को निराधार बताया, जबकि मामले पर राजनीतिक विवाद बढ़ गया। एपस्टीन फाइल्स को लेकर हुए खुलासों ने पूरी दुनिया को एक घिनौने राज से अवगत कराया। जब-जब इस मामले में नए खुलासे और नाम सामने आते हैं, वह सभी को चौंका देने वाले होते हैं। बड़े से बड़े हस्तियों से लेकर नेता और अभिनेता सभी पर इस मामले में आरोप लगे हैं। न्याय विभाग ने गुरुवार को इस मामले में एक महिला के साथ साक्षात्कार के बाद कुछ और बातें सामने आई हैं। साक्षात्कार को तीन भाग में जारी किया गया है, जिसमें महिला ने राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह खुलासा न्याय विभाग की तरफ से ऐसे समय पर किया गया है जब डेमोक्रेट्स उस पर राष्ट्रपति से जुड़ी सामग्री छिपाने का आरोप लगा रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने इन आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताया। साक्षात्कार में डोनाल्ड ट्रम्प से जुड़े कई दावे किए गए हैं। साक्षात्कार में ट्रंप से जुड़े पांच सबसे महत्वपूर्ण दावे किशोरी ने लगाया यौन शोषण का आरोप महिला ने जांचकताओं को बताया कि जब वह 13 से 15 वर्ष की थी, तो एपस्टीन एक बार उसे न्यूयॉर्क या न्यू जर्सी ले गया था। वहां एक बड़ी इमारत में उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से हुई थी। बयान के अनुसार कथित यौन शोषण से पहले ट्रम्प ने कमरे में मौजूद सभी लोगों को बाहर जाने के लिए कहा। महिला ने अपना बचाव करते हुए ट्रम्प को काट लिया। जिसके बाद लोग कमरे में आ गए। महिला ने बताया कि इसके बाद ट्रम्प दो बार फिर उससे मिले। लेकिन उसके बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। ट्रम्प और एपस्टीन के बीच ब्लैकमेल का दावा महिला ने आगे आरोप लगाया कि उसने एपस्टीन और ट्रम्प के बीच बातचीत को सुना था। उसने एपस्टीन और ट्रम्प के बीच ब्लैकमेल को लेकर हुई बातचीत सुनी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि ट्रम्प ने 'कैसिनो के माध्यम से पैसे की हेराफेरी' के बारे में बात की थी और आरोप लगाया कि एपस्टीन के ब्लैकमेल के बारे में उनके करीबी लोगों को पता था। ट्रम्प और एपस्टीन के बीच ईर्ष्या के आरोप महिला ने आगे गवाही में बताया कि उसने दोनों पुरुषों के बीच तनाव महसूस किया। उसने दावा किया कि ट्रम्प कभी-कभी एपस्टीन से जलते थे। हालांकि सार्वजनिक रूप से वे एक जैसा व्यवहार करते थे। गवाही के अनुसार, कथित तौर पर दोनों ने लड़कियों के बारे में बात करते समय 'ताजा मांस', 'कलंकित' और 'निष्पक्ष' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। अश्लील तस्वीरों से जुड़े ब्लैकमेल के आरोप गवाह ने आरोप लगाया कि एपस्टीन ने यौन संबंधों के दौरान उसकी अश्लील तस्वीरें लीं और बाद में तस्वीरों से उसकी मां को ब्लैकमेल किया। महिला ने बताया कि एपस्टीन और उसके सहयोगी जिम एटकिंस ने तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी दी थी। जिसके बाद उसकी मां को रियल एस्टेट कंपनी से पैसे निकालकर तस्वीरों के बदले देने पड़े। जिसके कारण उसकी मां को जेल जाना पड़ा। एपस्टीन के नेटवर्क और दुर्व्यवहार के बारे में आरोप महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसके साथ छह से बीस बार यौन शोषण किया था। और कभी-कभी अन्य धनी पुरुष भी मौजूद थे। महिला ने दावा किया कि एपस्टीन इन मुलाकातों के दौरान उन्हें नशा करता था। कभी-कभी उसे नई लड़कियों को भर्ती करने के लिए भी भेजा जाता था।

वेल्स की राजकुमारी होली कार्यक्रम में हुई शामिल, पारंपरिक भारतीय इयररिंग्स पहने

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वेल्स की प्रिंसेस केट मिडलटन लीसेस्टर में भारतीय समुदाय संग होली मनाने पहुंचीं। उन्होंने सफेद परिधान और भारत में बने डीना इयररिंग्स पहने, साथ ही उन्हें गुलाब-मोतियों की पारंपरिक माला भेंट की गई। वेल्स की प्रिंसेस, केट मिडलटन 5 मार्च को लीसेस्टर में होली के मनाने के लिए पहुंची थी। वह सफेद रंग के परिधान में यहां पहुंची।

लेकिन परिधान से ज्यादा ध्यान उनके द्वारा पहने गए गहनों ने आकर्षित किया। केट ने सेजेन ब्रैंड के डीना इयररिंग्स पहने थे। यह ड्रॉप्स इयररींग डिजाइन में बने थे। इसे पीतल के पुनर्चक्रण और सोने की परत चढ़ाकर तैयार किया गया था। केट ने इन इयररिंग्स को राल्फ लॉरेन प्लीटेड क्रीम ड्रेस पहनी थी। ड्रेस को सैविल रो के टेलर क्रिस केर के कोट के साथ पहना गया था। उन्होंने ये कपड़े 2023 क्रिसमस पर भी पहने थे। ये इयररिंग्स भारत में तैयार किए गए थे। इसे भारतीय कारीगरी और पारंपरिक से बनाया गया था। ब्रांड की वेबसाइट पर इसकी कीमत 50 डॉलर लगभग 4,582 रुपए है। ब्रिटिश वोग ने 5 मार्च के इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक व्यक्ति ने लिखा, #ढ१ल्लीूर२२डाहं'ीर आज होली के एक दिन बाद लीसेस्टर गईं, ताकि शहर में भारतीय समुदाय के साथ जश्न मना सकें। इस मौके पर, राजकुमारी ने पूरी तरह से सफेद रंग के कपड़े पहने, जिसके बाद उन्हें गुलाब की माला भेंट की गई। आकाश ओडेड्रा कंपनी, एक साउथ एशियन डांस ऑर्गनाइजेशन में पहुँचने पर, केट को एक पारंपरिक भारतीय माला दी गई जो ताजे लाल गुलाब और मोतियों से बनी थी।

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध, समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्रोजेक्ट का भारी विरोध हो रहा है। एक सरकारी पैनल की मीटिंग में लोगों ने इसे गैर-जरूरी बताया। 400 मिलियन डॉलर के इस प्रोजेक्ट के लिए अमीर डोनर्स से पैसा लेने पर भी सवाल उठे हैं। पैनल 2 अप्रैल को इस पर फैसला लेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का

रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत बड़ा और बेकार बताया। मार्च की इस मीटिंग में पहले दो घंटों के दौरान 28 लोगों ने अपनी बात रखी। इनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ने प्रोजेक्ट का समर्थन किया, जबकि बाकी सब इसके खिलाफ थे। एक आम नागरिक काई रोवन ने इसे भद्दा और जरूरत से ज्यादा बड़ा बताया। इलिनोइस की पूर्व मेयर डायने मार्लिन ने कमीशन से अपील की कि वे इस पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि इसे सही करने के लिए और समय लेना चाहिए। इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3300 करोड़ रुपये) है। ट्रंप का प्लान है कि यह पैसा अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों से दान के रूप में लिया जाए। इसी बात पर सबसे ज्यादा विवाद है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था कॉमन कॉज की एबिगेल बेलोज ने सवाल उठाया कि ये डोनर्स लाखों डॉलर बिना किसी फायदे के क्यों देंगे? उन्होंने आशंका जताई कि इसके बदले में डोनर्स सरकार से कुछ उम्मीद रख सकते हैं।

तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई के खात्मे का प्लान, इस्राइली रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

यरुशलम (एजेंसी)। यरूसलम पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से बताया गया है कि नवंबर की शुरूआत में ही ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला किया था। इसी के साथ शुरू में इस मिशन को लगभग छह महीने बाद अंजाम देने का इरादा था। हालांकि ईरान में हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते इस योजना को आगे बढ़ाया गया। इस्राइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला पिछले साल नवंबर में ही ले लिया था। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन को मूल रूप से लगभग छह महीने बाद यानी 2026

के मध्य तक पूरा करने की योजना थी। उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक में लिया फैसला रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने गुरुवार को बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चैनल एन12 को बताया, 'नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था।' ईरान की घरेलू अशांति के बाद बढ़ाई समय सीमा रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय-सीमा को बढ़ाया गया। इस्राइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इस्राइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इस्राइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है। 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' का हिस्सा खामेनेई की हत्या शनिवार को शुरू हुए 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' के शुरूआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इस्राइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले 'अस्तित्वगत खतरे' को खत्म करना और 'शासन परिवर्तन' को सुविधाजनक बनाना है। ईरान पर लगातार हवाई हमले जारी इस बड़े हमले के बाद इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपने हवाई अभियान को और तेज कर दिया है। गुरुवार को क्ऊऋने घोषणा की कि उन्होंने तेहरान में 12वीं लहर के हमले पूरे कर लिए हैं, जिसमें ईरान की प्रमुख सुरक्षा और सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। अलबरज प्रांत में विशेष इकाई का मुख्यालय निशाना उच्च-प्राथमिकता वाले लक्ष्यों में अलबरज प्रांत में एक विशेष इकाई का मुख्यालय शामिल था, जो सभी आंतरिक सुरक्षा बलों के लिए जिम्मेदार है। इस्राइल वायु सेना (क्अऋ) ने कहा, 'आईडीएफ ने तेहरान में हमलों की 12वीं लहर पूरी की 'अलबरज' प्रांत में ईरानी आतंकवादी शासन की विशेष इकाई का मुख्यालय, साथ ही बासिज बल के ठिकानों और आंतरिक सुरक्षा पर हमला किया गया।' आईडीएफ ने एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में पुष्टि की है कि अलबरज मुख्यालय क्षेत्र की सभी विशेष इकाइयों को कमांड करता है।

बढ़ते हमलों के बीच देवदूत बनीं भारतीय नर्सें, संघर्ष के साये में निभा रहीं अपना कर्तव्य

कुवैत (एजेंसी)। पश्चिम एशिया के संघर्ष के बीच भी भारतीय नर्सों का समर्पण अडिग है। अल जाहरा के 53त्न तापमान वाले इलाके में जैसमीन थॉमस और साथी नर्सें धमाकों और मिसाइलों के बीच क्लिनिक में मरीजों की देखभाल करती रहीं। खतरे और कर्तव्य के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने साहस और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की, जो भारतीय नर्सों की अलग पहचान बनाती है। पश्चिम एशिया में ज्यादातर देशों में संघर्ष का साया छाया हुआ लेकिन ऐसे समय में भी भारतीय नर्सों की सेवा और समर्पण में कोई कमी नहीं आई है। इनका काम राजनीतिक या सैन्य तनाव के बावजूद हमेशा की तरह बदस्तूर जारी है। 1990 के दशक का कुवैत युद्ध हो, 2003 का इराक युद्ध, सीरिया या मिस्त्र के गृह युद्ध या पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संघर्ष, भारतीय नर्सें हमेशा देवदूत बनकर अपना कर्तव्य निभाती रही हैं। इसकी मिसाल कुवैत शहर से करीब 32 किलोमीटर पश्चिम में इराक सीमा के पास भट्टी की तरह तप रहे अल जाहरा में दिख जाता है। इस जगह को धरती पर सबसे गर्म जगहों में एक माना जाता है और

यहां का तापमान 53 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। केरल की एक नर्स जैसमीन थॉमस (बदला हुआ नाम) अपने भारतीय साथियों के साथ अल जाहरा के एक छोटे से क्लिनिक में आम दिनों की तरह काम कर रही थी। कुछ ही घंटों बाद क्लिनिक के ऊपर आसमान में मिसाइलें और ड्रोन उड़ते नजर आने लगे। देखते-देखते रुक-रुक कर धमाके होने लगे। भारतीय नर्सों के साहस की कहानी धमाकों की तीव्रता बढ़ने पर जैसमीन और उनके साथी भागकर अपने हॉस्टल में शरण लेते हैं। हॉस्टल में वे सब हालात के सामान्य होने का इंतजार करते रहे। कर्तव्य और अपनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की मशक्कत करते हुए जैसमीन और उनके साथी सोमवार को फिर से अपने काम पर लौट आएं लेकिन इस बार क्लिनिक में वे सब थे लेकिन मरीज नहीं।

अमेरिका की 'आंख' पर हमला, 5000 किमी रेंज वाला वार्निंग सिस्टम तबाह

दोहा (एजेंसी)। ईरान का इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ पलटवार जारी है। अमेरिका को चोट पहुंचाते हुए ईरान खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इस बीच कथित तौर पर कतर स्थित अमेरिकी बेस पर प्रहार कर अमेरिका को ईरान ने बड़ा झटका दिया है। ईरानी मिसाइल और ड्रोन ने अरबों डॉलर की कीमत वाले रडार को नष्ट कर दिया। सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए सैन्य बेस को भारी नुकसान की जानकारी सामने आई है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक ऐसा हमला किया है, जिसे अमेरिका के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने कतर में स्थित अमेरिका के एक प्रमुख मिसाइल वार्निंग रडार सिस्टम को निशाना बनाया है, जिसकी रेंज 5000 किलोमीटर बताई जा रही है। इस हमले को अमेरिका के लिए 'बड़ा नुकसान' करार दिया जा रहा है। यह खबर ऐसे वक्त पर सामने आई है, जब अमेरिका ने हिंद महासागर में एक ईरानी पोत को डूबो दिया, जिसमें 80 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) द्वारा किए गए इस हमले ने कतर में तैनात अमेरिकी सेना की मिसाइल चेतावनी प्रणाली को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस प्रणाली को क्षेत्र में अमेरिका की 'आंख' के रूप में देखा जाता था, और यह अमेरिकी मिसाइल रक्षा नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। लगभग 1.1 अरब डॉलर की लागत वाला यह रडार सिस्टम, संभावित मिसाइल हमलों का समय रहते पता लगाने की अमेरिका की क्षमता को कमजोर कर सकता है। सैटेलाइट तस्वीरों से पुष्टि और हमले का तरीका अंतरिक्ष से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों ने अमेरिकी सैन्य ढांचे को हुए नुकसान की पुष्टि की है। प्लैनेट लैब्स द्वारा जारी इन तस्वीरों में अमेरिकी स्पेस फोर्स के AN/FPS-132 (ब्लॉक 5) बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के आसपास क्षति और आग बुझाने की गतिविधियां दिखाई दी हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।